कोटद्वार, मंगलवार
11 जून 2024
वर्षः 46
अंकः 50 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

डायवर्जन हटते ही श्यामपुर में हांफा ट्रैफिक

ऋषिकेश। हरिद्वार–ऋषिकेश नेशनल हाईवे पर नेपालीफार्म फ्लाईओवर से डायवर्जन हटते ही सोमवार को श्यामपुर में फिर से ट्रैफिक हांफ गया। यहां फ्लाईओवर ऑस करते ही श्यामपुर फाटक तक वाहनों की कतारें लग गई। भीषण गर्मी में जाम लगने से वाहन सवार और स्थानीय लोगों को फजीहत झेलनी पड़ी। यातायात को सुचारु रखने के लिए पुलिस ने खूब पसीना बहाया, लेकिन वाहनों का अत्याधिक दबाव होने से पुलिसकर्मी भी बेबस दिखे। सोमवार सुबह पुलिस ने नेपालीफार्म से डायवर्जन हटा लिया, जिससे हरिद्वार का ट्रैफिक सीधे श्यामपुर से होते हुए ऋषिकेश पहुंचा। यात्राकाल और पर्यटक सीजन में लोगों की भीड़ उमड़ने से श्यामपुर में हाईवे पर फिर जाम लग गया। सुबह से लेकर शाम तक यहां वाहनों की कतारें लगती रही। जाम की एक वजह रेलवे ऑसिंग पर क्षतिग्रस्त सड़क भी बनी। खस्ताहाल सड़क पर वाहन बेहद धीमी गति से गुजरे, जिसके चलते पीछे वाहनों की लाइनें लगी रहीं। बेपटरी यातायात से स्थानीय लोग भी दो–चार होते दिखे। जाम से बचने के लिए ग्रामीण मार्गों पर सवारी वाहन दौड़ते नजर आए। उधर, ऋषिकेश शहर में यातायात दिनभर बेपटरी रहा। मुख्य मार्गों से लेकर इंद्रमणि बड़ोनी चौक तक अव्यवस्था से लोगों को दिक्कतें पेश आईं।

सीएम एन बीरेन सिंह के काफिले पर घात लगाकर उग्रवादियों ने किया हमला

इंफाल,उग्रवादियों ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के सुरक्षा काफिले पर कांगपोकपी जिले में घात लगाकर सोमवार को हमला कर दिया। जिसमें एक जवान घायल हो गया। काफिला हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के वाहनों पर कई गोलियां चलाई गईं, जिन्होंने जवाबी कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग–53 के एक हिस्से पर कोटलेन गांव के पास गोलीबारी अभी भी जारी है। पुलिस ने बताया कि हमले के दौरान कम से कम एक जवान गोली लगने से घायल हो गया।पुलिस ने कहा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का सुरक्षा काफिला मणिपुर के जिरीबाम जिले जा रहा था क्योंकि यहां भारी तनाव जारी है, लेकिन इस दौरान अचानक कई राउंड की गोलीबारी कर दी गई. इसको देखते हुए सुरक्षाबलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की है.वहीं, अधिकारियों ने साफ करते हुए कहा कि सुरक्षा काफिले पर हुए हमले के दौरान सीएम एन बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे क्योंकि अभी तक वो दिल्ली से नहीं लौटे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री लौटने के बाद जिरीबाम जाना था.

मारे गए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

जम्मू,जम्मू–कश्मीर सरकार ने सोमवार को रियासी आतंकी हमले में मारे गए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि मंजूर की।

एलजी मनोज सिन्हा ने एक्स पर लिखा, रियासी आतंकी हमले में शहीद हुए तीर्थयात्रियों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। घायल तीर्थयात्रियों का जम्मू और रियासी के विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

रविवार को रियासी जिले के पोनी इलाके के येरयाथ गांव में उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया जिसमें 10 तीर्थयात्री मारे गए और 33 घायल हो गए।

बस शिव खोरी मंदिर से कटरा शहर वापस आ रही थी, तभी आतंकवादियों ने उस पर गोलीबारी की। इसके बाद चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया। बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे 10 तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए।

एलजी सिन्हा ने कहा कि जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया है।

एलजी ने कहा, जम्मू–कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ द्वारा संयुक्त सुरक्षा बल का अस्थायी मुख्यालय घटनास्थल पर स्थापित किया गया है और रियासी आतंकी हमले के अपराधियों को पकडने के लिए अभियान जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला

● किसानों से जुड़ी पहली फाइल पर किए हस्ताक्षर

नईदिल्ली,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सोमवार को प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे मोदी का स्वागत कर्मचारियों ने ताली बजाकर किया। इसके बाद उन्होंने सबसे पहले किसानों से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने किसानों निधि की 17वीं किस्त जारी कर दी है। किसान निधि जारी होने से 9.3 करोड़ किसानों को लाभ होगा और लगभग 20,000 करोड़ रुपये वितरित किए जाएंगे। अब तक किसानों को 16 किस्तें जारी हो चुकी हैं।

नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ ली थी। उनके साथ 71 और सांसदों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसी के साथ ही मोदी जवाहरलाल नेहरू के बाद तीसरी बार शपथ लेने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं। शपथ लेते ही मोदी ने अपने नाम कई बड़े रिकॉर्ड किए हैं। वे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले पहले गैर–कांग्रेसी नेता बन गए हैं।इसके अलावा वे स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के अलावा एकमात्र ऐसे व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने अपने नेतृत्व में लगातार 3 लोकसभा चुनाव जीतकर सरकार बनाई है।वे आजादी के बाद से 3 बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले तीसरे व्यक्ति भी बन गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तीसरी सरकार में वह सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री पद के लिए चुने गए हैं। उनके साथ कई अन्य मंत्रियों और राज्य मंत्रियों ने शपथ ली।बता दें कि 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में 543 में से एनडीए को 292 सीटें मिली हैं, जबकि इंडिया गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं।

चुनाव आयोग ने किया सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान

10 जुलाई को मतदान और 13 को आएंगे नतीजे

नईदिल्ली,चुनाव आयोग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की चार सीटों सहित सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। उपचुनाव मौजूदा सदस्यों की मृत्यु या इस्तीफे के कारण रिक्त सीटों पर कराए जाएंगे। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें बिहार की रूपौली, पश्चिम बंगाल की रायगंज, रानाघाट दक्षिण, बागदा और मानिकतला, तमिलनाडु की विक्रवंडी,मध्यप्रदेश की अमरवाड़ा, उत्तराखंड की बद्रीनाथ और मंगलौर, पंजाब की जालंधर पश्चिम और हिमाचल प्रदेश की देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ शामिल हैं। चुनाव की अधिसूचना 14 जून को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है। नामांकन की जांच 24 जून को होगी और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। उपचुनाव 10 जुलाई को होंगे और मतों की गिनती 13 जुलाई को होगी। चुनाव आयोग ने कहा कि उपचुनाव 15 जुलाई से पहले पूरे होने हैं।

मुंबई में आसमान से बरसी आफत

मानसून की पहली बारिश में ही सडकें बनीं सैलाब, दो की मौत

मुंबई, मध्य भारत में अब मानसून अपनी पकड़ बढ़ा रहा है. यही कारण है कि कई इलाकों में बीते कुछ घंटों में जोरदार बारिश हुई है. महाराष्ट्र भी इन्हीं मे से एक है. जहां के कई क्षेत्रों में बीते 24 घंटे में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पर सीधा असर डाला है. खास तौर पर माया नगरी मुबई में तो आसमान से आफत ही बरस पड़ी है.

मुंबई और इसके आस–पास के इलाकों में आई भारी बारिश ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं. यही नहीं सडकें जहां सैलाब में तब्दील हो गई हैं वहीं इस मूसलाधार बारिश के चलते दो लोगों ने अपनी जान भी गंवा दी है.

मुंबई में तेज बारिश की वजह से कई रास्तों में सडकों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया है. ऐसे में लोगों को आने–जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. कई क्षेत्रों में गाडियां ही पानी में तैरती नजर आ रही हैं. विक्रोली की बात करें तो यहां पर मूसलाधार बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है. बारिश के कारण यहां एक स्लैब ही गिर गया. जिसके नीचे दबने से दो लोगों की मौत हो गई. खास बात यह है कि मरने वालों में 10 वर्ष का एक बच्चा भी शामिल है.मुंबई से सटे इलाकों में भी भारी बारिश का असर देखने को मिला है. पालघर में सडक का एक हिस्सा ही धंस गया खास बात यह है कि इस हिस्से के धंसने की वजह से मुंबई–अहमदाबाद राजमार्ग करीब 4 घंटे तक प्रभावित रहा. इसकी वजह से पाइपलाइन भी फूट गई जिसकी मरम्मत में भी कर्मियों को काफी वक्त लगा. पालघर में कई घंटों तक लोगों को ट्रैफिक जाम की स्थिति से भी जूझना पड़ा. रविवार की बारिश का सीधा असर हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार 10 जून को भी देखने को मिला.

सुप्रीम कोर्ट में अमेरिकी नागरिक की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में शरण मांग रहे अमेरिकी नागरिक क्लाउड डेविड कानविस की याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, क्लाउड डेविड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर 'अमेरिका में होने वाले संभावित उत्पीड़न' को आधार बनाकर भारत में शरण मांगी थी। उन्होंने याचिका में कहा था कि अगर वे अपने वतन लौटे तो उनका उत्पीड़न हो सकता है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने डेविड की याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने क्लाउड डेविड की याचिका पर केंद्र सरकार से अपना पक्ष देने को कहा था। याचिकाकर्ता ने आध्यात्मिक गुरु श्री माता आनंदमयी का अनुयायी होने का दावा किया है। याचिकाकर्ता का दावा है कि उसने पेट्रोलियम का विकल्प खोज लिया है और वह वापस अमेरिका नहीं जा सकता क्योंकि वहां उसे सताया जाएगा। इसके बाद जस्टिस अरविंद कुमार और संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) विक्रमजीत बनर्जी से केंद्र सरकार से निर्देश प्राप्त कर सूचित करने को कहा था। उस दौरान अदालत ने मामले को 10 जून के लिए सूचीबद्ध कर दिया था। बता दें कि डेविड का वीजा 13 मई, 2024 की मध्यरात्रि को समाप्त हो गया था। पिछली सुनवाई के दौरान क्लाउड डेविड ने पीठ को बताया था कि वे इस मामले में विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को पहले ही आवेदन दे चुके हैं। लेकिन, दोनों मंत्रालयों की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला।

जम्मू–कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए

श्रीनगर,। जम्मू–कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों की बस पर हुए घातक आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय की ओर से इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा आतंकियों की तलाशी के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है।इसके अलावा इलाके की सुरक्षा बढ़ी दी गई है। घटना की जांच में फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की एक टीम भी शामिल हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाने में 2 से 3 आतंकी शामिल थे। इन्हीं आतंकवादियों के समूह ने पिछले दिनों राजौरी और पुंछ में हमला किया था।आतंकियों की तलाश के लिए घने जंगलों में फौज उतारी गई है। उनकी खोज में ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकी रियासी से भाग गए हैं।अभियान में पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान शामिल हैं।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा: खाई की ओर पलटा पिकअप वाहन, मची चीख–पुकार, तीन की मौत

गरमपानी। रातीघाट – बेतालघाट मोटर मार्ग पर हरचनौली बैंड के समीप हुए पिकअप हादसे में तीन लोगो की मौत हो जाने से कोसी घाटी में मातम पसर गया है। घटना में गंभीर रुप से घायल एसटीएच हल्द्वानी में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने मोटर मार्ग पर सुरक्षित यातायात के प्रबंध न होने को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस व प्रशासन ने घटना के कारणों की जांच शुरु कर दी है।

हादसे में तीन की मौत

थानाध्यक्ष बेतालघाट व राजस्व उपनिरीक्षक सुरेश सनवाल ने स्थानीय लोगों की मदद से एक एक कर घायलों को खाई से बाहर निकाला। हादसे में नैनीचैक गांव निवासी उमेद सिंह (58) पुत्र टीका सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि खैराली बूंगा निवासी मीनाक्षी बोहरा(15) पुत्री भगवत सिंह ने बेतालघाट अस्पताल में उपचार के दौरान दम दौड़ दिया। उंचाकोट, तल्लागांव निवासी कंचन कठायत (15) पुत्री पृथ्वीपाल की एसटीएच हल्द्वानी में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जबकि बधी निवासी दीपा, तल्लगांव निवासी बबीता, तथा पल्सो गांव निवासी पना देवी की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। राजस्व पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम को नैनीताल भेजने की तैयारी शुरु कर दी है। दुर्घटनास्थल पर सुरक्षित यातायात के लिए पैराफिट व क्रश बैरियर भी नहीं लगे थे।

बीते रविवार मध्य रात्रि समीपवर्ती पल्सों व बधी गांव के बाशिंदे बेतालघाट महोत्सव में शामिल होकर पिकअप वाहन में सवार होकर गांव की ओर रवाना हुए। वाहन घिरोली पुल से आगे रातीघाट – बेतालघाट मोटर मार्ग पर हरचनौली बैंड के समीप पहुंचा ही था कि एकाएक असंतुलित होकर सड़क से करीब पचास मीटर नीचे खाई की ओर पलट गया। घटना से वाहन में सवार लोगों में चीख पुकार मच गया। दुर्घटना की आवाज सुन व्यापारी नेता बालम सिंह बोहरा ग्रामीणों को साथ लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस व प्रशासन को भी सूचना दी गई।

चारधाम यात्रा: ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को उमड़े श्रद्धालु

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। सोमवार को चार हजार यात्रियों ने धामों के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। सुबह से शाम तक पंजीकरण की प्रकिया चली, जिसके बाद यात्री तीर्थदर्शन के लिए आस्थापथ पर रवाना हुए। सोमवार सुबह सात बजे चारधाम पंजीकरण कार्यालय एवं ट्रांजिट कैंप में यात्रियों के रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटर खुले। पहले से ही रजिस्ट्रेशन के लिए काउंटरों पर खड़े यात्रियों ने कतार लगाकर पंजीकरण कराया। ज्यादातर यूपी, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश के यात्री रजिस्ट्रेशन कराने के लिए पहुंचे। शाम सात बजे तक चार हजार यात्रियों का पंजीकरण किया गया। धामों के दर्शन के लिए उत्साहित यात्रियों ने पंजीकरण के बाद जय बदरी–जय केदार के उद्घोष के साथ यात्रा प्रारंभ की। अपर आयुक्त नरेंद्र सिंह बिरियाल ने बताया कि यात्रियों की भीड़ के मुताबिक रोजाना रजिस्ट्रेशन का स्लॉट चार हजार निर्धारित किया गया है। यहां पहुंचने वाले हर यात्री को पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ट्रांजिट कैंप में यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाओं को भी मुकम्मल रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। बताया कि अब यात्रियों को बैकलॉग नहीं बचा है। यहां पहुंचने वाले सभी यात्रियों को सुगम रजिस्ट्रेशन की सुविधा मिल रही है।

बंगाल में अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट

कोलकाता,पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के कोलाघाट में रविवार रात पटाखे बनाने वाली एक इकाई में विस्फोट हो गया। वहां एक घर के भीतर अवैध रूप से पटाखा बनाने का काम चल रहा था। गनीमत यह रही कि विस्फोट के समय घर में कोई नहीं था, और इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट रविवार रात करीब 11 बजे हुआ। धमाका इतना भयानक था कि घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। आसपास के घरों में भी दरारें आ गईं। मौके पर दमकल की कई गाडिय़ों को भेजा गया जिन्होंने सोमवार सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोलाघट इलाके में पटाखों की कई अवैध फैक्टरियां चल रही हैं। पुलिस को सब पता है, इसके बावजूद वह कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं, जिले के पुलिस अधिकारियों का दावा है कि अवैध पटाखा फैक्टरियों के खिलाफ नियमित रूप से छापेमारी की जाती है।

मोदी कैबिनेट में विभागों का हुआ बंटवारा, शाह ही संभालेंगे गृह, सिंह के हाथ में रक्षा

● जेपी नड्डा को मिला स्वास्थ्य मंत्रालय, गडकरी रिपीट तो शिवराज, खट्टर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नईदिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बनी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है।नागपुर से सांसद नितिन गडकरी को फिर से सड़क परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। अमित शाह को दोबारा गृह, राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय और एस जयशंकर को विदेश मंत्रालय सौंपा गया है।मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और रसायन और उर्वरक मंत्री बनाया गया है। इससे पहले वे 2014 में भी मंत्री बनाए गए थे।निर्मला सीतारमण पर बतौर वित्त मंत्री दोबारा भरोसा जताया गया है।हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को आवास और शहरी मामलों के मंत्री और बिजली मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री और पीयूष गोयल को वाणिज्य और उद्योग मंत्री नियुक्त किया गया है। एचडी कुमारस्वामी को भारी उद्योग और स्टील मंत्रालय, जीतन राम मांझी को सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को पंचायती राज, मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, गिरिराज सिंह को कपड़ा मंत्रालय, अश्विनी वैष्णव को रेल, आईटी, सूचना एवं प्रसारण, ज्योतिरादित्य सिंधिया को टेलीकॉम और उत्तर–पूर्व क्षेत्र के विकास का मंत्रालय, भूपेंद्र यादव को पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, गजेंद्र सिंह शेखावत को कला पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।अन्नपूर्णा देवी यादव को महिला और बाल विकास मंत्री बनाया गया है।

अब तक स्मृति ईरानी इस मंत्रालय को संभाल रही थीं, लेकिन वे चुनाव हार गई हैं।किरेन रिजिजू को संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों का मंत्री, हरदीप सिंह पुरी को पेट्रोलियम मंत्री, मनसुख मंडाविया को श्रम और रोजगार और खेल मंत्री, जी किशन रेड्डी को कोयला और खान मंत्री, चिराग पासवान को खाद्यप्रसंस्करण मंत्री और सीआर पाटिल को जल शक्ति मंत्री बनाया गया है।राव इंद्रजीत सिंह को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, योजना मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है।जितेन्द्र सिंह को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग राज्य मंत्री तथा अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री की जिम्मेदारी मिली है।अर्जुन राम मेघवाल को कानून एवं न्याय मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है।एनडीए के सहयोगियों में कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, ललन सिंह, चिराग पासवान और किंजरापु राममोहन नायडू को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।जाधव प्रतापराव गणपतराव को आयुष मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है।जयंत चौधरी को कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री नियुक्त किया गया है।सहयोगी पार्टियों के 4 अन्य नेताओं को भी राज्य मंत्री बनाया गया है।

नाम	कैबिनेट मंत्रालय
अमित शाह कैबिनेट मंत्री	गृह मंत्रालय
राजनाथ सिंह कैबिनेट मंत्री	रक्षा मंत्रालय
नितिन गडकरी कैबिनेट मंत्री	सडक़ परिवहन मंत्रालय
जेपी नड्डा कैबिनेट मंत्री	स्वास्थ्य मंत्रालय
धर्मेंद्र प्रधान कैबिनेट मंत्री	शिक्षा मंत्रालय
जीतन राम मांझी कैबिनेट मंत्री	एमएसएमई मंत्रालय
राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह)	कैबिनेट मंत्री पंचायती राज मंत्रालय
सर्बानंद सोनोवाल कैबिनेट मंत्री	पोर्ट और शिपिंग का पुराना मंत्रालय
डॉ वीरेंद्र कुमार कैबिनेट मंत्री	सामाजिक न्याय एवं कल्याण मंत्रालय
राममोहन नायडू कैबिनेट मंत्री	नागरिक उड्डयन मंत्रालय
प्रल्हाद जोशी कैबिनेट मंत्री	उपभोक्ता मंत्रालय
जुएल ओरांव कैबिनेट मंत्री	जनजातीय कार्य मंत्रालय
गिरिराज सिंह कैबिनेट मंत्री	कपड़ा मंत्रालयअश्वनी वैष्णव
अश्वनी वैष्णव कैबिनेट मंत्री	सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं रेल मंत्रालय
ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया कैबिनेट मंत्री	दूरसंचार मंत्रालय
गजेन्द्र सिंह शेखावत कैबिनेट मंत्री	संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री
अन्नपूर्णा देवी कैबिनेट	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
किरेन रिजिजू कैबिनेट मंत्री	संसदीय कार्य मंत्री
हरदीप सिंह पुरी कैबिनेट मंत्री	पेट्रोलियम मंत्रालय
डॉ मनसुख मंडाविया कैबिनेट मंत्री	श्रम मंत्रालय
चिराग पासवान कैबिनेट मंत्री	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
सीआर पाटील कैबिनेट मंत्री	जल शक्ति मंत्रालय
राव इंद्रजीत सिंह राज्य मंत्री	स्वतंत्र प्रभार संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री

शपथ ग्रहण के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि वह अपने मंत्रिपरिषद के साथ मिलकर काम करते हुए देश के 140 करोड़ लोगों की सेवा करने और देश को विकास की नई उंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं. उन्होंने कहा, मंत्रियों की यह टीम युवा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है. हम लोगों के जीवन में सुधार के लिए कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेंगे. पीएम मोदी पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति हैं.

सोनिया गांधी की बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से हुई मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रहे। इस बात की जानकारी कांग्रेस ने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री सोनिया गांधी से गले लगाकर मिलीं। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी गले लगाया।

शेख हसीना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए शनिवार को दिल्ली पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति प्रांगण में पीएम मोदी की शपथ ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया।

स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में बिभव कुमार के खिलाफ जोड़ी गई नई धारा

नईदिल्ली,आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक (पीए) बिभव कुमार की मुश्किलें बढ़ गई हैं।दिल्ली पुलिस ने बिभव के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत 201 धारा जोड़ी है, जिसमें सबूतों को गायब करने और झूठी सूचना देने का आरोप है।बिभव पर अभी महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से आपराधिक धमकी, हमला और गैर–इरादतन हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। बिभव के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने 16 मई को मामला दर्ज कर 18 मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।हिरासत खत्म होने के बाद उनकी हिरासत 3 दिन के लिए बढ़ाई गई। हिरासत खत्म होने के बाद दिल्ली की कोर्ट ने 31 मई को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

संपादकीय

बड़े फैसलों पर निगाहें

अपनी नई सरकार के गठन से पूर्व ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान यह स्पष्ट कर दिया था कि आने वाले वर्षों में उनकी सरकार कुछ कड़े फैसले लेगी जो की देश और जनहित के विकास में होगी। तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के साथ ही इस नीति पर काम शुरू कर दिया गया है और उम्मीद की जा रही है कि अगले एक वर्ष के अंदर भारत में कानून व्यवस्था से लेकर दूसरे क्षेत्रों में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। मोदी लगातार कहते रहे हैं कि उनका तीसरा कार्यकाल बड़े फैसलों वाला होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान भी कुछ ऐसे बड़े फैसले लिए गए जो न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी चर्चा का विषय बने। इनमें जम्मू कश्मीर से धारा 370 का हटाना, राम मंदिर का निर्माण, नागरिकता अधिनियम कानून का लागू होना बड़े फैसलों के रूप में गिना जाता है। यह बड़े फैसले लेने के बाद अब पूरे देश की नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में है और देश की जनता इस बात को लेकर उत्सुक है कि मोदी की फेहरिस्त में वह बड़े फैसले कौन से है जिनके बारे में वह अक्सर जिक्रकरते आए है। मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान एक देश एक चुनाव का विषय भी काफी प्रमुखता से उठा था लेकिन कहीं ना कहीं चुनाव नजदीक होने के कारण इस पर पूरी तरह से कार्य नहीं किया जा सका। अपने घोषणा पत्र में भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव 2024 मे एक देश एक चुनाव का वादा किया गया है। देश के लोग भी यही चाहते हैं लेकिन गठबंधन की सरकार में या बड़ा फैसला कहीं ना कहीं मोदी की राह में बाधा बन सकता है। एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ–साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा। अभी यह मैं ला एक समिति के अधीन है और इस पर फैसला लिया जाना बाकी है। बड़े फैसलों की फेहरिस्त में समान नागरिकता संहिता पर भी देश नजर लगाए बैठा है। यह नई व्यवस्था भाजपा के एजेंडे में रहा है। पार्टी ने 2024 के घोषणापत्र में इस विषय को रखा गया है। स्पष्ट है कि समान नागरिकता संहिता ही एक ऐसा विषय है जिस पर गठबंधन दलों के साथ विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है तो वहीं विपक्ष भी इस मसले को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। इसके अलावा विदेश नीति में यूएनएसी की स्थायी सदस्यता , स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत का विस्तार, योजन में वरिष्ठ नागरिकों और ट्रांसजेंडर समुदाय को शामिल करने जैसे बड़े फैसले देखने को मिल सकते है। देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिक्षा एवं स्वास्थ्य में भी एक बड़े फैसले की प्रतीक्षा है खासतौर से एक समान शिक्षा नीति और निशुल्क स्वास्थ्य आज देश की सबसे बड़ी जरूरत है और सरकार को इस पर गंभीरता से फैसला लेते हुए अपनी प्रतिबद्धता जनता के प्रति दिखानी चाहिए।

मिशन में असफल

योगेश कुमार गोयल

भाजपा जहां 240 सीटों पर और एनडीए 291 सीटों पर सिमट गया, वहीं यह भी पूरी तरह स्पष्ट हुआ है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू 2014 और 2019 की भांति नहीं चल सका। हालांकि भाजपा एक बार पुनः देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है लेकिन अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूने से काफी पीछे रह गई। उसके लिए चिंता की बात यह है कि 7 राज्यों तमिलनाडु, पंजाब, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड तथा 4 केंद्रशासित प्रदेशों पुडुचेरी, चंडीगढ़, लद्दाख और लक्षद्वीप में खाता खोलने में भी नाकाम रही। मोदी के नेतृत्व में केंद्र में उनके लगातार तीसरे कार्यकाल में यह पहली बार है, जब उन्हें स्थायी सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा यानी 10 वर्षो बाद फिर से गठबंधन की अहमियत का दौर लौट आया है। जद (यू) और टीडीपी इस बार किंगमेकर की भूमिका में उभरे हैं। हालांकि हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है और गुजरात में भी एक सीट छोड़कर बाकी सभी सीट उसकी झोली में गई हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और प. बंगाल में पार्टी को जितना बड़ा झटका लगा है, उसका अनुमान संभवतः पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी नहीं था। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और महाराष्ट्र में भी भाजपा को नुकसान हुआ है।

अठारहवीं लोक सभा के लिए हुए चुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। न तो भाजपा स्वयं के 370 और न ही एनडीए के 400 पार के मिशन को पूरा करने में सफल हो पाई।

हालांकि चुनाव परिणामों की घोषणा के दो ही दिन पहले जारी हुए तमाम एग्जिट पोल में एनडीए के 400 पार होने की संभावना जताई गई थी लेकिन हुआ इसका उलट यानी एनडीए 300 का आंकड़ा भी नहीं छू पाया जबकि इंडिया गठबंधन अप्रत्याशित रूप से 230 से भी ज्यादा सीटें हासिल करते हुए मजबूत विपक्ष बनने में सफल हुआ है।

भाजपा जहां 240 सीटों पर और एनडीए 291 सीटों पर सिमट गया, वहीं यह भी पूरी तरह स्पष्ट हुआ है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू 2014 और 2019 की भांति नहीं चल सका। हालांकि भाजपा एक बार पुनः देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है लेकिन अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूने से काफी पीछे रह गई। उसके लिए चिंता की बात यह है कि 7 राज्यों तमिलनाडु, पंजाब, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड तथा 4 केंद्रशासित प्रदेशों पुडुचेरी, चंडीगढ़, लद्दाख और लक्षद्वीप में खाता खोलने में भी नाकाम रही। मोदी के नेतृत्व में केंद्र में उनके लगातार तीसरे कार्यकाल में यह पहली बार है, जब उन्हें स्थायी सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा यानी 10 वर्षो बाद फिर से गठबंधन की अहमियत का दौर लौट आया है। जद (यू) और टीडीपी इस बार किंगमेकर की भूमिका में उभरे हैं।

हालांकि हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है और गुजरात में भी एक सीट छोड़कर बाकी सभी सीट उसकी झोली में गई हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और प. बंगाल में पार्टी को जितना बड़ा झटका लगा है, उसका अनुमान संभवतः पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी नहीं था। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और महाराष्ट्र में भी भाजपा को नुकसान हुआ है। हालांकि कर्नाटक में एनडीए का प्रदर्शन शानदार रहा और टीडीपी के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश में भी इसने विजय पताका लहराई, केरल की भी एक सीट जीतने में भाजपा सफल रही लेकिन दक्षिण भारत में भाजपा का वैसा जादू नहीं चला, जैसी पार्टी को उम्मीद थी।

दूसरी ओर, कांग्रेस ने जिस तरह का दमदार प्रदर्शन करते हुए 99 सीटें जीतीं उससे कांग्रेस को निश्चित रूप से संजीवनी मिली है। कांग्रेस 2014 में केवल 44 और 2019 में 52 सीट ही जीत सकी थी। उस गिरते ग्राफ का ठीकरा राहुल गांधी पर फोड़ने के प्रयास हुए थे लेकिन 2024 के चुनाव में 99 सीटें जीतने के बाद गठबंधन में राहुल की स्वीकार्यता बढ़ने के साथ ही निश्चित रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी मजबूती मिलेगी।

1984 में कांग्रेस को करीब 12.01 करोड़ वोट प्राप्त हुए थे, उसके बाद इस बार उसे अब तक के सबसे ज्यादा 13.6 करोड़ से भी अधिक मत प्राप्त हुए हैं तथा कांग्रेस धरातल पर मजबूती से खड़ी होने में सफल हो पाई है। हालांकि यह अलग बात है कि चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा को 23.45 करोड़ से भी ज्यादा वोट मिले हैं, और कांग्रेस अभी भी उसके मुकाबले कहीं नहीं खड़ी है। कांग्रेस के साथ गठबंधन कर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने करिश्माई जीत दर्ज की है।दरअसल, 2019 के चुनाव में सपा ने बसपा के साथ गठबंधन किया था और बसपा को 10 लेकिन सपा को 5 सीटें ही मिल सकी थीं। लोक सभा चुनाव में वोट शेयर के लिहाज सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था, जब उसे करीब 29 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि सीटों के दृष्टिगत उसका बेहतरीन प्रदर्शन 2004 में था, जब उसे 35 सीटों पर जीत मिली थी लेकिन 2024 के चुनाव में सपा 37 सीटें जीतने में सफल रही। जहां तक पूरे आत्मविश्वास के साथ 400 पार का नारा देने वाले एनडीए की हार के प्रमुख कारणों की बात है तो सबसे हैरानी बात तो यही है कि राम मंदिर जैसा आस्था और सनातन से जुड़ा बड़ा मुद्दा भी भाजपा के ज्यादा काम नहीं आया।

जनवरी महीने में ही अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की थी और चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने के लिए भाजपा ने हरसंभव प्रसास भी किए थे लेकिन विपक्ष के बेरोजगारी, महंगाई और सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना जैसे मुद्दे इस पर कहीं ज्यादा हावी रहे। महंगाई का मुद्दा भी चुनाव के सातों चरणों के दौरान छाया रहा। हालांकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 से 2024 तक के एनडीए सरकार के एक दशक के कार्यकाल में महंगाई बढ़ने की बजाय घटी है।

आंकड़ों के अनुसार 2013 में महंगाई दर 10.02 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर महज 5.69 प्रतिशत रह गई थी लेकिन यह बात थी केवल सरकारी आंकड़ों की जबकि आम जन के दैनिक जीवन से जुड़ी जरूरतों के सामान की कीमतें पिछले पांच वर्षों में 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ी, जिससे खाने की थाली लगातार महंगी होती जा रही है और महंगाई का सीधा असर लोगों के जीवन निर्वाह पर पड़ रहा है। इस कारण भी मध्य वर्ग सरकार से नाराज था।

किसानों को हिन्दी पट्टी का कोर वोटर माना जाता है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में किसानों की लगातार नाराजगी भी भाजपा पर भारी पड़ी। इसका असर राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार तक में भी पड़ा। भाजपा ने 2014 से अभी तक तीनों लोक सभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही लड़े हैं। पहली बार 2014 के चुनाव में पार्टी अपने बूते 282 सीटें जीत कर अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल हुई थी।2019 में भी मोदी के ही चेहरे पर पार्टी ने रिकॉर्ड 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार के चुनाव में वह 240 सीटों पर सिमट गई यानी 2014 के मुकाबले 42 सीटें और 2019 के मुकाबले 63 सीटें कम। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने 371784 मतों के बड़े अंतर से ह्यआपह्ल के अरविंद केजरीवाल को पराजित किया था, वहीं 2019 के चुनाव में उन्होंने 479505 मतों के भारी अंतर से सपा की शालिनी यादव को हराया था। हालांकि इस बार भी वाराणसी से उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को हराया है लेकिन उनकी जीत का अंतर घटकर 152513 ही रह गया है।

ऐसे में चौंकाने वाले इस जनादेश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब भाजपा का काम मोदी के चेहरे के भरोसे रहने से ही नहीं चलने वाला, बल्कि पार्टी और गठबंधन के निर्वाचित सांसदों को भविष्य में रिकॉर्ड जीत के लिए अपने–अपने क्षेत्रों में काम भी बेहतर करना होगा।

आवेग व प्रतिरोध

फिल्म अभिनेत्री से नेता बनी कंगना रानावत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर महिला कांस्टेबल ने थप्पड़ मार दिया। सीआईएसएफ की यह कांस्टेबल कुलविंदर कौर दो साल से यहां तैनात है।

कौर को फौरन गिरफ्तार कर सस्पेंड कर दिया गया। कंगना मंडी से भाजपा की सांसद चुनी गई हैं। वह संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली आ रही थीं। सांसद द्वारा जारी वीडियो में कहा थप्पड़ मारने वाली किसान आंदोलन की समर्थक थी।

उसने सामने से चेहरे पर मारा और अपशब्द कहने लगी, जबकि फौरन कपूरथला की कौर का वीडियो भी सोशल मीडिया में आया, जिसमें वह कंगना पर आरोप लगा रही है कि उन्होंने सौ–सौ रुपए लेकर किसान आंदोलन में महिलाओं के बैठने की बात की थी, जिसमें कौर की मां भी शामिल थी।

कंगना अपने वीडियो में पंजाब में आतंकवाद व उग्रवाद बढ़ रहा है, उसे हम कैसे हैंडल करेंगे, भी कह रही हैं। जिस पर अलग विवाद हो गया। सुरक्षाकर्मी का यह बर्ताव बेहद निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। आंदोलन करना या उसके खिलाफ बयान देना, निजी मसला है, जिसका संवैधानिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए, परंतु जिस तरह का आवेग व प्रतिरोध के कौर ने जनप्रतिनिधि के प्रति दर्शाया, वह घोर निंदनीय है। साथ ही सुरक्षाबलों पर संदेह उपजाने वाला साबित हो सकता है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा लाए कृषि कानूनों को लेकर 2020–2021 के दरम्यान किसानों ने धरना–प्रदर्शन किया था। उस वक्त भी कंगना ने अपने ट्वीट पर विवाद होते ही, उसे डिलिट कर दिया था। मगर कौर के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने एकबार फिर समूचे पंजाब को आतंकवाद व उग्रवाद की तरफ बढ़ता बता कर, जल्दबाजी दिखा दी। यह सांप्रदायिक विभाजन की लकीर खींचने सरीखा है।

देश के तमाम लोग सुरक्षाकर्मी के पक्ष में भी आ खड़े हुए। उन्होंने सोशल मीडिया में किसानों, पंजाबवासियों व आंदोलनकारियों की पक्षधरता में कोई संकोच नहीं किया। चूंकि अब कंगना मात्र फिल्मकार नहीं हैं, उन्हें जनता ने चुन कर संसद तक पहुंचाया है।

शिक्षा और कौशल विकास

सतीश सिंह

मौजूदा समय में शिक्षा और कौशल विकास के बीच तालमेल नहीं दिख रहा है। शिक्षा के माध्यम से कौशल का विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। हमारे अकादमिक कल–कारखानों से लाखों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए आदि की भारी–भरकम डिग्रियां लेकर युवा निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कौशलयुक्त एवं ज्ञानवान नहीं हैं। ऐसे लोग किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते, लेकिन होनहार के लिए रोजगार की कमी नहीं है। तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले, भले ही डिग्री एवं अंग्रेजी के मामले में पीछे होते हैं, लेकिन वे हर किस्म की मुश्किलों को आसानी से सुलझा सकते हैं क्योंकि किसी कार्य को करने के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल की जरूरत होती है। कौशल को विकसित करके युवा बिना किसी डिग्री के भी हर कार्य कुशलतापूर्वक कर सकते हैं। हमारे देश के स्कूल और कॉलेज के अध्यापकों का मानना है कि जो बच्चा लगातार हर परीक्षा में अव्वल आ रहा है, उसी को सिर्फ होनहार माना जा सकता है, जो छात्र इस कसौटी पर खरा नहीं उतर पाते हैं, उन्हें कमअक्ल माना जाता है। इसमें दो मत नहीं हैं कि स्कूल–कॉलेजों में प्राप्त अच्छे अंक छात्र–छात्राओं की पढ़ाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं किंतु इसका मतलब कदापि नहीं है कि हम इसे मेधावी होने या न होने का प्रमाण मानें। किसी विषय में कम या ज्यादा अंक प्राप्त करने से किसी भी छात्र को मेघावी या कमअक्ल नहीं माना जा सकता। हर विषय में हर छात्र की रु चि का होना जरूरी नहीं है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन की रुचि केवल भौतिक विज्ञान में थी। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। लता मंगेशकर की भी गणित या विज्ञान में रु चि नहीं थी। सचिन तेंदुलकर या महेंद्र सिंह धोनी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है, लेकिन वे अपने क्षेत्र में महान हैं। दरअसल, यहां फंडा जब जागा तभी सवेरा वाला है। जिन छात्रों के अंदर जीवन में सफलता हासिल करने की जिजीविषा जागृत हो जाती है वे हर कक्षा में तृतीय या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद आईएएस की परीक्षा में शीर्ष 20 या 50 में स्थान बनाने में सफल हो जाते हैं। बारहवीं फेल फिल्म में एक ऐसे ही युवा की कहानी फिल्माई गई है। फिल्म थ्री इडियट में दिखाए गए दर्शन को भी हम नकार नहीं सकते। जरूरी नहीं कि हर बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बने। दुनिया में करने के लिए इतने सारे क्षेत्र हैं कि आप किसी बच्चे को कमतर नहीं मान सकते। बस आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि आप किसे होनहार मानते हैं। भारत में जो बच्चे कॉलेज तक लगातार अच्छे अंक लाकर नौकरी के लिए आवेदन करने लायक अर्हता अंक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, उन्हें ही जहीन माना जाता है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 2013 में पहली बार प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक किया था, जिसमें 1004 अभ्यर्थी सफल हुए थे और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशी ने समग्र रूप 53 प्रतिशत अंक हासिल किए थे जबकि अंतिम पायदान पर सफल रहने वाले अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पूर्व में धारणा थी कि यूपीएससी की परीक्षा में 75 से 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही सफल होते हैं। मामला यूपीएससी तक सीमित रहे तो बात समझ में आए। हालात तो इतने बदतर हैं कि बैंक या अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कर्मचारियों की भर्ती हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में सवोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 100 तो छोड़िए 60 प्रतिशत अंक भी स्कोर नहीं कर पाते हैं। देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल,आईटीआई एवं अन्य रोजगारपरक शिक्षा की शुरु आत जरूर की गई है, लेकिन इन पाठ्यक्रमों की सार्थकता नाममात्र की है, क्योंकि यहां से पढ़कर बाहर निकलने के बाद भी अधिकांश युवा कौशलहीन होते हैं, जबकि हुनरमंद युवा देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में आगे रहते हैं। हुनरमंद बेरोजगार नहीं रहता। आसानी से अपने परिवार का भरण–पोषण कर लेता है। बढ़ई, लोहार, प्लंबर, बिजली मिस्त्री, राज मिस्त्री, वाहन की मरम्मत करने वाले कारीगर आदि कभी भूखे नहीं मरते। सरकार को कर भी देते हैं, और देश के अर्थ चक्रको गतिमान भी रखते हैं। अस्तु, आज सरकार को डिग्री बांटने की जगह युवाओं को हुनरमंद बनाने पर जोर देना चाहिए और योग्यतानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि सभी के ज्ञान का स्तर एक समान नहीं होता पर निरंतर मेहनत सभी कर सकते हैं। मामले में अंकों की बाजीगरी की तह तक पहुंचने की भी आवश्यकता है। ऐसा होता है तो सरकार और लोग स्वतः कौशल विकास को प्राथमिकता देंगे।

ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल सीजन 5 का एकता कपूर ने किया ऐलान, चौथा सीजन सिद्धार्थ शुक्ला को किया डेडिकेट

पॉपुलर प्रोड्यूसर–डायरेक्टर एकता कपूर ने हाल ही में अपना 49वां बर्थडे मनाया है. बर्थडे के ठीक अगले दिन उन्होंने अपनी स्कसेसफुल वेब सीरीज ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल के चौथे सीजन की अनाउंसमेंट कर दी है. एकता कपूर ने पिछले तीन सीजन की झलक दिखाई है और तीसरे सीजन के लीड एक्टर दिवंगत सिद्धार्थ शुक्ला को भी याद किया है. चौथा सीजन हटाकर सीधे पांचवे सीजन की अनाउंसमेंट हुई है.

एकता कपूर ने ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल को क्रिएट किया और इसमें उनका साथ कई डायरेक्टर्स ने दिया. एकता की कायमाब सीरीज में से एक ये भी है जिसके पिछले तीन सीजन काफी पसंद किए गए. चौथा सीजन नहीं आएगा, सीधे पांचवे सीजन की अनाउंसमेंट हुई, एकता ने इसका कारण भी बताया.

एकता कपूर ने तीन सीजन की झलक दिखाते हुए बताया है कि अब चौथा सीजन भी जरूर आएगा. एकता ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ये पोस्ट करना पड़ा, देर आए दुरुस्त आए. मेरे इस साल की शुरुआत प्यार के साथ...और एक प्रेम कहानी से होगी. जैसा कि मैं एक दूसरी कहानी लिख रही हूं तो मैंने सोचा चौथा सीजन क्यों नहीं. सिद्धार्थ शुक्ला के जाने के बाद उनकी याद में मैंने आगे के सीजन पर काम करना बंद किया लेकिन फिर सोचा कुछ प्रेम कहानियां कभी खत्म नहीं होती. अब एक और सीजन में एक नई प्रेम कहानी लिख रही हूं.

वीडियो में आप देख सकते हैं कि ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल के पहले सीजन की झलक दिखाई गई जिसमें विक्रांत मैसी और हरलीन सेठी लीड रोल में नजर आए. इसके बाद सीजन 2 में भी विक्रांत और हरलीन ही रहे. इसके बाद सीजन 3 में सिद्धार्थ शुक्ला और सोनिया राठी लीड रोल में नजर आए. सीजन के अंत में विक्रांत और हरलीन का कैमियो दिखाया गया. अगर आपको इसके पिछले तीन सीजन देखने हैं तो जियो सिनेमा, एमएक्स प्लेयर और ऑल्ट टाइम बालाजी एप्लीकेशन पर देख सकते हैं.

जब ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल सीजन 3 खत्म होता है तो सिद्धार्थ के साथ एक दूसरी लव स्टोरी के साथ दिखाते हैं.

भारतीय हॉकी टीम ने बेहतरीन टीम वर्क दिखाया : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग 2023–24 में अपने अभियान का अंत किया। इसमें 5 जीत, 5 हार और छह ड्रॉ शामिल हैं। वर्तमान में भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित 9 टीमों ने भाग लिया। एफआईएच प्रो लीग 2023–24, तीस जून तक जारी रहेगा लेकिन भारत ने रविवार को अपना 16वां और अंतिम मैच खेला, जिससे उसके एक प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण सीजन का समापन हुआ। टीम के प्रदर्शन पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2023–24 हमारे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। नीदरलैंड 2–2 (4–2 शूटआउट), अर्जेंटीना (5–4) और जर्मनी (3–0) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमारी कुछ जीत हमारी टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को उजागर करती है। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा टीम वर्क दिखाया है। भारत के कप्तान एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरे और भारत के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रहे। अपने नाम 12 गोल के साथ, वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स और नीदरलैंड के जिप जानसेन के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त प्रमुख गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं।

मुश्किल समय में गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ धैर्य बनाए रखा : बुमराह

न्यूयॉर्क, टी20 विश्व कप में अपने 4 ओवर में मात्र 14 रन पर तीन विकेट लेने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजों के प्रदर्शन की सराहना की है।

जसप्रीत बुमराह ने अपने चार ओवरों में 14 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें 15 डॉट बॉल शामिल थे।

पाकिस्तान को सिर्फ 36 गेंदों पर 40 रन चाहिए थे, बुमराह ने अच्छी तरह से सेट मोहम्मद रिजवान को आउट कर भारत की जीत मुमकिन की। इसके बाद 119 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान की टीम 7 विकेट पर 113 रन ही बना पाई।

बुमराह ने मैच के बाद कहा, हमारे लिए सबसे अच्छी बात यह रही कि हम कूल रहे। जब हम सुबह बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। लेकिन जब हम गेंदबाजी करने आए, तो

गेंद सीम नहीं कर रही थी। इसलिए, हमें अधिक स्टेबल और सटीक होना था। हम एक इकाई के रूप में बहुत शांत और स्पष्ट थे कि हम क्या करना चाहते हैं। इसलिए, हम बहुत खुश हैं कि एक टीम के रूप में हम योगदान करने में सक्षम थे और उस दबाव को बनाया और फिर हम जीत हासिल करने में सक्षम हुए। पिछले साल बुमराह पीठ की चोट से उबर रहे थे, जिसके कारण वो टी20 विश्व कप 2022 से बाहर थे और घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2023 में उनके खेलने पर भी संदेह था। लेकिन अब बुमराह अपनी बेहतरीन फॉर्म में हैं और भारत को मैच जिताने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बुमराह ने हार्दिक पांड्या, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह की भी तारीफ की, जिन्होंने भारत को पाकिस्तान के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने आगे कहा, एक गेंदबाजी इकाई के तौर पर हमें अपनी गेंदबाजी पर बहुत गर्व है। हम खुद को बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और जितना हो सके टीम की मदद करने की कोशिश करते हैं।

राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की मिस्टर एंड मिसेज माही ने 25 करोड़ का आंकड़ा किया पार

राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही काफी प्रमोशन और उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म को ओपनिंग तो शानदार रही लेकि इसके बाद इस रोमांटिक–स्पोर्ट्स ड्रामा की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार कम होती चली गई. फिल्म वीकडेज में चंद करोड़ कमाने के लिए स्ट्रगल करती हुई नजर आई. चलिए यहां जानते हैं मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के 8वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?मिस्टर एंड मिसेज माही को सिनेमाघरों में रिलीज हुए हफ्ता हो चुका है और अब ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की दमदार एक्टिंग से सजी इस यूनि स्टोरी वाली फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से अच्छा रिव्यू मिला. सोशल मीडिया पर भी फिल्म की तारीफ हुई हालांकि मिस्टर एंड मिसेज माही उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाई.फिल्म की कमाई की बात करें तो रिलीज के पहले दिन मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ का कलेक्शन किया था. इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन फिल्म ने 4.6 करोड़, तीसरे दिन 5.5 करोड़, चौथे दिन 2.15 करोड़, पांचवें दिन 1.85 करोड़, छठे दिन 1.85 करोड़ और सातवें दिन 1.75 करोड़ की कमाई की. इसी के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही का एक हफ्ते का कुल कारोबार 24.45 करोड़ रुपये हो गया है.वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है और सके दूसरे फ्राइडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के 8वें दिन यानी सेकंड फ्राइडे को 1.30 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ मिस्टर एंड मिसेज माही का 8 दिनों का कुल बिजनेस अब 25.75 करोड़ रुपये हो गया है.

पवन कल्याण की ओजी से टकराएगी नंदमुरी बालकृष्ण की एनबीके 109? दिसंबर में होगा कड़ा मुकाबला!

इस साल साउथ की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगी। इस लिस्ट में बड़े सितारों की फिल्में शामिल हैं।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी, जूनियर एनटीआर की देवरा, अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 : द रूल, राम चरण की गेम चेंजर, पवन कल्याण की दे कॉल हिम ओजी और नंदमूरी बालकृष्ण की एनबीके 109 सहित कई बहुप्रतीक्षित फिल्में सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। ऐसे में कई फिल्में रिलीज होने के कारण सभी फिल्मों के निर्माता इस कोशिश में हैं कि उनकी फिल्म अन्य किसी फिल्म से क्लैश न हो। हालांकि, पवन कल्याण की ओजी और नंदमुरी बालकृष्ण की एनबीके 109 के बीच टकराव होने की संभावना बनी हुई है।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम के प्रदर्शन से खुश रोहित

न्यूयॉर्क, टी20 विश्व कप 2024 के एक रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से हरा दिया। जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा मैदान पर अपनी टीम के कभी हार न मानने वाले रवैये की सराहना की।

न्यूयॉर्क की पिच बल्लेबाजी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है। टूर्नामेंट में खेले गए यहां सभी मुकाबले लो स्कोरिंग रहे हैं, जिसमें रविवार को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला भी शामिल है। टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए सिर्फ 119 रन बनाए। वैसे तो टी20 फॉर्मेट के लिए यह रन बहुत कम हैं, लेकिन इस पिच पर ये रन भी पाकिस्तान के लिए काफी रहे। टीम इंडिया की जबरदस्त गेंदबाजी के आगे

पाकिस्तान से ये रन भी नहीं बन पाए और उसे लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान ने मैच के बाद कहा, इस पिच को ध्यान में रखकर हमें लगा 140 रन का स्कोर अच्छा रहेगा और गेंदबाजी लाइन अप के साथ हमें खुद पर पूरा भरोसा था। पिछले दो मुकाबले को देखकर हमें पता था कि यह चुनौतीपूर्ण पिच है। इसलिए 140 रन एक मजबूत टोटल होता और हमें अपने गेंदबाजों पर भरोसा था कि वो अपना काम बखूबी करेंगे। लेकिन टीम के कभी हार न मानने वाले रवैये के कारण हमने 119 रन का भी सफलतापूर्वक बचाव किया। जब पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने मैच में भारत के लिए मुश्किलें बढ़ा दी थी और लगा कि मैच भारत से दूर जा रहा है, तब कप्तान रोहित ने अपने खिलाड़ियों को एक खास स्पीच दी जिसने टीम के खिलाड़ियों में जोश भर दिया। रोहित ने कहा, जब वे बल्लेबाजी कर रहे थे, तब हमने सभी को एक साथ बुलाया और कहा कि अगर यह हमारे साथ हो सकता है, तो यह उनके साथ भी हो सकता है।

एक नजर

17 जून को मनाया जाएगा ईद-उल-अजहा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र में 17 जून को ईद-उल-अजहा मनाया जाएगा। जामा मस्जिद के मुतवल्ली ताजुद्दीन इदरीसी ने उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी को दिए पत्र में यह जानकारी देते हुए बताया कि ईद-उल-अजहा की नमाज ग्रास्टनगंज स्थित ईदगाह में सुबह साढ़े सात बजे अता की जाएगी। उन्होंने उपजिलधिकारी से ईदगाह स्थल पर पेयजल व सफाई की व्यवस्था की मांग की है।

पुलिस ने शराब पीने वाले 15 लोगों के काटे चालान, 3 स्कूटी की सीज

श्रीनगर गढ़वाल : पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। जिसके तहत रविवार देर शाम को सड़क पर शराब पीते हुए पकड़े गए 15 लोगों के खिलाफ पुलिस ने चालानी कार्रवाई की है, जबकि तीन स्कूटी भी सीज की गई हैं। नगर से सटे बुघाणी मार्ग पर ट्रेफिक कम होने के चलते लोग इस सड़क पर सुबह और शाम को घूमने जाते हैं। ऐसे में इस मार्ग पर उन्हें कई स्थानों पर युवक शराब पीते दिखते हैं। जिसके बाद ये युवक उन स्थानों पर कूड़ा करकट छोड़ चले जाते हैं। जिससे इन स्थानों का वातावरण भी दूषित हो रहा है। कोतवाली प्रभारी होशियार सिंह पंखोली ने बुघाणी मार्ग में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने 15 युवाओ के खिलाफ चालानी कार्रवाई की, जबकि तीन स्कूटी श्रीनगर थाने में सीज कर दी गयी। कोतवाल श्रीनगर होशियार सिंह पंखोली ने चेतावनी दी है कि अगर कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीता या हुड़दंग मचाता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लायी जायेगी। (एजेंसी)

डीएलएड प्रशिक्षुओं ने किया बेसिक शिक्षक भर्ती का विरोध

नई टिहरी : डायट में डीएलएड के प्रशिक्षुओं ने सोमवार को प्रदेश में हो रही 3368 बेसिक शिक्षकों की भर्ती का विरोध किया। प्रशिक्षुओं ने काली पट्टी बांह पर बांधकर विरोध दर्ज किया। प्रशिक्षुओं ने डायट के गेट के समीप प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रशिक्षुओं ने भर्ती दो चरणों में करने की मांग प्रदेश सरकार से की।सोमवार को बेसिक शिक्षकों की भर्ती से नाराज डीएलएड प्रशिक्षुओं प्रदर्शन करते हुए कहा कि उत्तराखंड के समस्त डायटों में मात्र 337 डीएलएड प्रशिक्षु प्रशिक्षरणरत हैं। आगामी जुलाई तक 155 और आगामी दिसंबर तक 650 प्रशिक्षु अपना प्रशिक्षण पूरा कर लेंगे। इसलिए बेसिक शिक्षों की भर्ती दो चरणों में की जाय। पहले चरण में 1868 और दूसरे चरण में 1500 की भर्ती की जाय। आशंक जताई की जब इतने डीएल प्रशिक्षित अभी हैं ही नहीं तो भर्ती किसकी की जा रही है। कहा कि बाहर की भर्ती का भी विरोध किया जायेगा। विरोध करने वालों में उपेंद्र रमोला, रणजीत विष्ट, विवेक, आशीष उनियाल, अजीत गुसांई सहित दर्जनों मौजूद रहे।

पुलिस ने काटे 150 चालान, वसूला 76 हजार 500 का जुर्माना

नई टिहरी : थत्यूड़ थाना पुलिस ने सोमवार को यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और नियमों का पालन कर कानून व्यवस्था के पालन के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि इस दौरान विभिन्न ऐक्ट में चालान की कार्रवाई की गई। बताया कि मोटर वाहन अधिनियम में कुल 150 चालान कर 76 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं पुलिस ऐक्ट में 50 चालान कर 12 हजार 750 रुपये का संयोजन शुल्क लिया गया। सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान के लिए कोटपा अधिनियम के तहत 25 लोगों का चालान कर 740 रुपये का जुर्माना लगाया। थाना क्षेत्र में एसएचओ विनोद ने 91 चालान कर 40 हजार 500 रुपये, एसआई अनिल भट्ट ने 32 चालान कर 11 हजार 200 रुपये, एसआई बलवीर सिंह ने 89 चालान कर 33 हजार 40 रुपये, एएसआई गुमान सिंह तोमर ने कुल चालान कर 13 चालान कर 5 हजार 350 रुपये का जुर्माना वसूला। (एजेंसी)

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

चमोली : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने राज्य सभा सांसद महेंद्र भट्ट और पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी पर गंभीर आरोप लगाए है। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में माहरा ने कहा कि जोशीमठ आपदा प्रभावितों के हितों का संरक्षण करने में दोनों नेता कभी गंभीर नहीं दिखे। चमोली सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की घटना पर करन माहरा ने कहा जिस कम्पनी को ट्रीटमेंट की जिम्मेदारी दी गई थी।

अव्यवस्थाएं बनी मुसीबत, भीषण गर्मी में रूला रहा जाम

● सड़क पर फैली अव्यवस्थाओं के कारण जाम हो रही सड़कें ● राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य मार्गों पर बनी है समस्याएं

कोटद्वार के नजीबाबाद चौराहे में लगा वाहनों का जाम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में अव्यवस्थाओं के कारण आमजन भीषण गर्मी में जाम से जूझ रहा है। पूरे दिन सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चल रहे हैं। यही नहीं कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी पुश्ते ढहने के कारण जगह-जगह जाम की स्थिति बन रही है।

भीषण गर्मी के बीच सड़कों पर लग रहा जाम आमजन के लिए मुसीबत बन रहा है। जगह-जगह बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन व रेहड़ी ठेली जाम का मुख्य कारण बन रही है। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड व बदरीनाथ मार्ग में देखने को मिल रहा है। चिलचिलाती धूप के बीच जाम के कारण सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। शहरवासी मयंक कुमार, रचना देवी ने बताया कि शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोग सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर देते हैं। जिससे अन्य वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग नहीं मिल पाता। नतीजा पूरे दिन सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

इसलिए हो रही समस्या

शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से समस्या बढ़ती जा रही है। दरअसल, बाजार आने वाले व्यक्तियों व पर्यटकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा करने तक का स्थान नहीं मिल पाता। जिससे वह सड़क पर सफेद पट्टी के बाहर ही वाहन खड़ा कर देते हैं। ऐसे में अन्य वाहनों को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग नहीं मिल पाता। जिससे जाम की स्थिति बनी रहती है। पूर्व में शहरवासी पुलिस व प्रशासन से पार्किंग स्थल चिह्नत करने की मांग उठा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

हाईवे पर बिगड़ी व्यवस्था

शहर के साथ ही कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी जाम की स्थिति देखने को मिल रही है। दरअसल, इन दिनों मैदान में भीषण गर्मी होने के कारण अधिकांश लोग पहाड़ की ओर अपना रूख कर रहे हैं। लेकिन, राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह पुश्ते टूटने के कारण जाम लग रहा है।

अक्षित खर्कवाल बना सेना में लेफ्टिनेंट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत कालाबड़ निवासी अक्षित खर्कवाल सेना में लेफ्टिनेंट बना है। अक्षित ने देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी से पास आउट किया।कोटद्वार से सेंट जोसेफ कावेंट स्कूल से इंटरमीडिट की परीक्षा पास कर अक्षित ने बीटेक किया व टेक्निकल एंट्री के माध्यम से सेना की परीक्षा पास की। दो जुलाई 2023 को अक्षित ने आर्मी एविएशन का कोर्स ज्वाइन किया। कड़े प्रशिक्षण के बाद आठ जून को भारतीय सैन्य अकादमी में संपन्न हुई पासिंग आउट परेड के बाद अक्षित सेना में अधिकारी बने। पासिंग आउट परेड के बाद सेना से सेवानिवृत्त अक्षित के दादाजी जगदीश खर्कवाल ने अपने पोते के कंधों पर बैज सजाया। इस दौरान अक्षित के पिता ओमप्रकाश खर्कवाल, माता आशा खर्कवाल व बड़ी बहन आयुषी खर्कवाल भी मौजूद रहे।

तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें नरेंद्र मोदी, बांटी मिठाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नरेंद्र मोदी की ओर से तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की है। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मिष्ठान बांटते हुए बधाईयां दी। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रह है।

सोमवार को लैंसडौन में भाजपा कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष सुलेखा गौड़ की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र में मिष्ठान वितरण करने पहुंचे। इस मौके पर लैंसडौन के चुनाव संयोजक पंकज रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भाजपा राज में देश को अंग्रेजो के जमाने से चले आ रहे कैंट एक्ट से जरूर मुक्ति मिलेगी। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सतवीर सिंह रावत ने कहा कि भाजपा के राज में लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त सरकार मिली है। इस मौके पर अमिता नैथानी, विपिना जोशी, सुशील अग्रवाल आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

चंद्र सिंह अध्यक्ष व सुरेंद्र लाल बनें महासचिव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उदयरामपुर नयावाद किसान समिति की वार्षिक बैठक में नए फसली चक्र के लिए समिति की कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें चद्र सिंह को अध्यक्ष व सुरेंद्र लाल आर्य को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने किसानों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में जयकृष्ण को उपाध्यक्ष, कुंदन सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया। पूर्व पार्षद विवेक शाह को समिति का संरक्षक बनाया गया है। वीरेंद्र सिंह, जगमोहन सिंह, चंडी प्रसाद, मदन सिंह, नरदेव सिंह, अनिल सिंह, प्रेम सिंह, प्रताप सिंह को सदस्य बनाया गया है। निर्वाचित पदाधिकारियों ने शासन-प्रशासन से मालन नदी के टूटे हुए पुल को वर्षाकाल से पहले बनाए जाने की मांग है। वर्षाकाल से पहले से मवाकोट-कण्वाश्रम वैकल्पिक मार्ग का डामरीकरण करने की भी मांग की है। इस मौके पर महेश कुमार, वीरेंद्र सिंह, प्रताप सिंह मौजूद रहे।

नदी में चलाया सफाई अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रीन पल्स सोसायटी ने सोमवार को मालिनी नदी पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने नदी किनारे पड़ा प्लास्टिक का कचरा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया। इस दौरान संस्था अध्यक्ष प्रमोद कुमार, संस्था सचिव प्रशांत कुकरेती, अरुण पांथरी, मोहित कंडवाल, राजगौरव नौटियाल, योगेश्वर जोशी, आलोक नैथानी, जितेंद्र काला, दिनेश जुयाल, राहुल जोशी, शुभम बेबनी, अतुल जोशी आदि मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में पानी को तरसे वार्डवासी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भीषण गर्मी के बीच पेयजल समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही। हालत यह है कि काशीरामपुर स्थिति वार्ड नंबर छः भारद्वाज मोहल्ले में पिछले एक माह से पेयजल समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी के बीच वार्डवासी पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। वार्डवासियों ने जल संस्थान से जल्द समस्या के निराकरण की मांग की है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्डवासियों ने जल संस्थान के सहायक अभियंता त्रिभुन सिंह गुसांई के माध्यम से अधिशासी अभियंता को भेजे गए ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र के कई घरों में पिछले एक माह से पेयजल किल्लत है। जल संस्थान के अधिकारियों को इस संबंध में जानकारी भी दी गई। लेकिन, विभाग सुध लेने को तैयार नहीं। क्षेत्रीय जन ने ट्यूबवैल से नई पाइप लाइन बिछाकर क्षेत्र में पानी की आपूर्ति करने की मांग की। इस मौके पर सूरज प्रसाद कांति, राजेश्वरी, कांति देवी, लक्ष्मी देवी, पूजा देवी, मीना गुसांई, रिंकी सकलानी मौजूद रहे।

कुंभीचौड़ में नलकूप का किया भूमि पूजन

कुंभीचौड़ में नलकूप निर्माण का भूमिपूजन करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वार्ड संख्या दो के कुंभीचौड़ में पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए सोमवार को नलकूप का भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के बाद नलकूप निर्माण के लिए खुदाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

सोमवार को भूमि पूजन का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि अनिल बहुगुणा व विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण के जनसंपर्क अधिकारी मणिराम शर्मा ने किया। विधायक प्रतिनिधि अनिल बहुगुणा ने कहा कि कुंभीचौड़ की जनता काफी दिनों से टयूबवैल की मांग कर रही थी। ट्यूबवैल के लिए नाथूपुर निवासी मनमोहन धूलिया ने निःशुल्क भूमि दान दी है। विधानसभा अध्यक्ष के अथक प्रयास से उक्त भूमि पर कुंभीचौड़ क्षेत्र की जनता के लिए पीने के पानी के लिए ट्यूबवैल स्वीकृत हुआ है। कहा कि ट्यूबवैल बन जाने से कुंभीचौड़, नाथुपुर, जीतपुर, विशनपुर व लालपानी में पेयजल की समस्या का समाधान हो जाएगा। इस मौके पर जलसंस्थान के अधिशासी अभियंता अभिषेक वर्मा, सहायक अभियंता बीआर चौधरी, कनिष्ट अभियंता प्रीति, निर्वतमान पार्षद अनिल रावत, महानंद ध्यानी, दयानंद भट्ट, मनमोहन धूलिया मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय के लिए पूर्व सैनिकों ने दिया धरना

कोटद्वार तहसील में धरना देते पूर्व सैनिक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व में आश्वासन के बाद भी कोटद्वार में केंद्रीय विद्यालय का निर्माण नहीं होने पर पूर्व सैनिकों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि भूमि चिह्नत होने के बाद भी विद्यालय निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होना जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

सोमवार को सदस्यों ने पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने तहसील परिसर में सांकेतिक धरना दिया। कहा कि केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत होने के बाद भी केंद्रीय विद्यालय का निर्माण न होना क्षेत्रीय जन के साथ अन्याय है। पूर्व सैनिक कई सालों से केंद्रीय विद्यालय खोले जाने की मांग कर रहे हैं। कोटद्वार में कई स्थानों पर भूमि भी चिह्नित की गई। लेकिन, मानक पूरे न होने पर केंद्रीय विद्यालय की टीम ने उक्त भूमि को खारिज कर दिया। लेकिन, अब उत्तरी झंडीचौड में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के माध्यम से आठ एकड़ भूमि स्वीकृत की गई है। लेकिन, क्षेत्रीय विधायक की मनमानी के चलते विद्यालय का निर्माण नहीं हो रहा है। जिससे पूर्व सैनिकों ने आक्रोश पनप रहा है। शीघ्र ही चिह्नित भूमि पर केंद्रीय विद्यालय का निर्माण करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर सीपी डोबरियाल, देवेंद्र सिंह नेगी, विनोद चंद्र ध्यानी, सुरेश रावत, संतन सिंह रावत, दिवाकर लखेड़ा, विनोद चंद्र नैथानी, बृजमोहन कोटनाला मौजूद रहे।

पेयजल आपूर्ति ठप होने से ग्रामीणों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के ग्राम सभा पैंडुला में पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से ठप होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही पेयजल संबंधित समस्या का निस्तारण नहीं होता तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। पेयजल आपूर्ति सुचारु किये जाने की मांग को लेकर सोमवार को पैंडुला ग्राम प्रधान और कीर्तिनगर प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुनय कुकसाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कीर्तिनगर जल संस्थान के अधिसाशी अभियंता को ज्ञापन प्रेषित किया। ग्रामीणों का कहना है कि एक माह से गांव में पेयजल की किल्लत चल रही है। जिसके चलते लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

श्रीनगर की बेटी ने प्रो पंजे के नेशनल चैंपियनशिप में जीते गोल्ड

श्रीनगर गढ़वाल : महाराष्ट्र आर्म रेसलिंग एसोसिएशन की ओर से नागपुर में आयोजित प्रो पंजा लीग में श्रीनगर की आकृति कंडारी ने गोल्ड मेडल जीतकर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। आकृति ने केरला मिजोरम, असम, तमिलनाडु उत्तर प्रदेश राज्यों की लगभग 12 बालिकाओं को हराकर नेशनल चैंपियनशिप में दो गोल्ड हासिल किये हैं।

6 से 10 जून तक नागपुर में चले प्रो पंजा लीग में आकृति कंडारी ने 70 किलोग्राम जूनियर कैटेगरी में दाएं और बाएं हाथ के पंजे से अपने प्रतिद्वंद्वीयों को हराकर दो गोल्ड मेंडल अपने नाम किये। उनकी इस कामयाबी पर व्यापारियों सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने खुशी जाहिर की है।

आकृति कंडारी इससे पहले स्टेट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर चुकी हैं। आकृति कंडारी उद्योग व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष वासुदेव कंडारी की बेटी हैं।

आकृति के पिता वासुदेव कंडारी ने बेटी की इस कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका बेटा आर्यन कंडारी और बेटी आकृति कंडारी ने आर्म रेसलिंग में विभिन्न पदक जीत कर श्रीनगर के साथ-साथ उत्तराखंड का नाम भी रोशन किया है।

सिरोबगड़ में लगा तीन किमी. लंबा जाम, यात्री परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिरोबगड़ में ट्रक खराब होने से सोमवार को तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जाम में चारधाम यात्रा पर जाने वाले छोटे बड़े वाहन घंटों रेंगते रहे। इस कारण स्थानीय लोगों के साथ ही यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। सिरोबगड़ में लैंडस्लाइड जोन है। साथ ही यहां पर वनवे होने चलते आये दिन जाम लगना सामान्य सी बात हो गई है। सिरोबगड़ में जाम लगने के चलते लोगों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ता है। लैंडस्लाइड के चलते यहां पर राष्ट्रीय राजमार्ग काफी संकरा हो चुका है, जिस कारण दो वाहनों को एक साथ गुजरने में दिक्कत हो रही है। जिससे जाम जैसी स्थिति पैदा हो रही है। यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को भी प्रतिदिन जाम का सामना करना पड़ रहा है। हालंकि हाईवे के विकल्प के तौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग खंड श्रीनगर सिरोबगड़ के समीप वैकल्पिक मार्ग बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य अभी प्रगति पर है, लेकिन जब तक यह मार्ग नहीं बनेगा तब तक लोगों को आए दिन परेशानी उठानी पड़ सकती है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि सिरोगबगड़ में ट्रक खराब होने के चलते रुद्रप्रयाग और श्रीनगर के दोनों ओर जाम की स्थिति बन गयी थी। उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ बजे ट्रक को हटाने के बाद जाम खुल पाया। बताया कि जाम की स्थिति को देखते हुए वाहनों को फरासू में रोका गया है। पुलिस प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारु किया गया। (एजेंसी)

फिर लगी सिविल के जंगलों में आग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में जंगलों की आग थमने का नाम नहीं ले रही है। बारिश नहीं होने से तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिस कारण सिविल जंगलों में आग की घटनाएं फिर से शुरू हो गई है। सोमवार को सतपुली, गहड़ और रावत गांव के पास सिविल जंगलों में आग लगी रही। दोपहर तक वन विभाग की टीम ने सतपुली और गहड़ गांवों के जंगलों की आग पर काबू पा लिया था। इस फायर सीजन में पहले ही पौड़ी जिले में 200 हेक्टेअर से अधिक जंगल आग से प्रभावित हो चुके हैं। जून महीने में भी बारिश अभी तक नहीं होने से तापमान फिर बढ़ रहा है। सिविल सोयम वन प्रभाग के डीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि कुछ घटनाएं सोमवार को रिपोर्ट हुई हैं। इनमें कोटद्वार-पौड़ी नेशनल हाईव पर सतपुली के पास सहित गहड़ गांव के सिविल जंगलों में आग की सूचनाएं मिली। दिन में रावत गांव के पास जंगलों में आग की सूचना मिली। बताया कि लोगों के नाप खेतों से आग सिविल जंगल तक जा रही है। खेतों से सटे जंगलों में आग की घटनाएं रिपोर्ट की जा रही है। टीमों को अलग-अलग जगह पर भेजा गया है। दोपहर तक सतपुली और गहड़ दोनों ही सिविल जंगलों की आग पर काबू पा लिया गया था।

भाजपाइयों ने बांटी मिठाई, आतिशबाजी कर मनाया जश्न

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को श्रीनगर स्थित ऐतिहासिक गोला बाजार में नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर मिष्ठान वितरित और आतिशबाजी कर हर्ष व्यक्त किया।

इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर आज पूरे देश में हर्ष का माहौल है। कहा कि भाजपा की सरकार आते ही देश में एक बार फिर विकास की गंगा बहेगी। वहीं कीर्तिनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी के तीसरे बार प्रधानमंत्री बनने पर खुशी जाहिर की।

खुशी व्यक्त करने वालों में भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र धिरवांण, जितेंद्र रावत, आशीष उनियाल, अंजना डोभाल, बिपेंद्र बिष्ट, जगमोहन सिंह नेगी, जय सिंह कठैत, डा. सनील भट्ट, शूरवीर सिंह कठैत, कल्पना कठैत, दिनेश रतूडी, विनोद सिंह रावत सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

15 जुलाई तक लागू रहेगी आदर्श आचार संहिता

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : भारत निर्वाचन आयोग के आदेशों के क्रम में जनपद में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 10 जून से जनपद चमोली की 04 बद्रीनाथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उप निर्वाचन 2024 हेतु निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है।

यह जानकारी देते हुए अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि उप निर्वाचन की अधिसूचना 14 जून को जारी होगी। नाम निर्देशन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21 जून, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की तिथि 24 जून, नाम वापसी की अंतिम तिथि 26 जून, मतदान 10 जुलाई व मतगणना 13 जुलाई को संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि उप निर्वाचन मतदाता सूची 27 जनवरी 2024 को प्रकाशित फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के आधार पर सम्पादित किया जाएगा। उप निर्वाचन में ईवीएम और वीवीपैट्स का प्रयोग किया जाएगा। बताया कि निर्वाचन के दौरान मतदाता फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र के अतिरिक्त वैकल्पिक दस्तावेज आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड, राज्य या सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र या यूडीआईडी को पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल कर सकता है।

एबीवीपी ने नीट परीक्षा परिणाम की सीबीआई जांच की मांग

नई टिहरी : नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने एचएनबी गढ़वाल विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल में प्रदर्शन कर नीट परीक्षा परिणाम की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।सोमवार को प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में जमकर धांधली हुई है। कहा नीट जैसी परीक्षा में 67 छात्रों के सौ फीसदी अंक कैसे आ सकते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मंडल के हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर प्रधान मंत्री भारतीय जन–औषधी केंद्र के आवंटन हेतु ई–बोलियाँ **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 24.06.2024, को आमंत्रित की गयी है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1722/24

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, श्रीनगर (गढ़वाल) दूरभाषः 01346–252137,
Email: dgmsri.upcl@yahoo.com कॉरपोरेट आई०डी० संख्या (CIN) U40109UP2001SGC025867/2358

ई–निविदा आमंत्रण सूचना दिनांकः 10.06.2024

अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा इस मण्डल के अन्तर्गत निम्न ई–निविदाये आमंत्रित की जाती है:।
01/विविमश्री/2024–25–Replacement of damaged conductor & rusted pole under EDSD, Rikhnikhal including De-Centeralized material.
02/विविमश्री/2024–25–Replacement of damaged conductor & rusted pole under EDSD, Syunsi including De-Centeralized material.
अन्य विवरण के लिये कृपया हमारी वेबसाईट www.uktenders.gov.in देखें एवं ई–निविदा के सम्बन्ध में किसी भी जानकारी के लिए कृपया फोन नं0 01346–252137 पर सम्पर्क करें।
पत्रांकः 878/वि0वि0म0श्री0/टी–9 अधीक्षण अभियन्ता
राष्ट्र हित में बिजली बचायें विद्युत चोरी की सूचना हेतु सतर्कता अधिकारी से फैक्स 0135–2760911 (टोल फ्री नo :-1800 419 0405) एवं मोबाइल +91–8958811999 पर एस0एम0एस0 द्वारा रिपोर्ट करें।

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी.एस.टी., ई.पी.एफ. व ई.एस.आई. में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 27.06.2024 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 26.06.2024 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर / सीडीआर / राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू.)
01/ 2024-25	₹500/-	वि.वि. उपखण्ड प्रथम, कोटद्वार के अन्तर्गत कालागढ उपसंस्थान के विभिन्न क्षेत्रो में जीर्ण–शीर्ण व क्षतिग्रस्त लाइन को बदलना/मरम्मत का कार्य।	20000.00

पत्रांक: 1086/विविखको/टी–6 दिनांक: 10.06.2024 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं। (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/ फैक्स संख्या–0135–2760911 पर दें।)

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लि.
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई–निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (जी.एस.टी., ई.पी.एफ. व ई.एस.आई. में पंजीकृत) हो तथा पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में जिसमें प्रथम भाग में वांछित जी.एस.टी., ई.पी.एफ., ई.एस.आई., धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर / सीडीआर / राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए एवं अन्य शर्तें जो निविदा से सम्बन्धित हो तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो आमन्त्रित की जाती है बिना प्रथम भाग के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी ई – निविदा को निरस्त कर सकते हैं। कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.uktenders.gov.in को देखे।

ई–निविदा संख्या	ई–निविदा प्रपत्र क्रय राशि(जीएसटी सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू.लाख में)
01/EDDK /24-25	₹590/-	33 केवी सब–स्टेशन सिगड्डी से निकले पोषकों का अनुरक्षण एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य।	0.30
02/EDDK /24-25	₹1180/-	33 केवी सब–स्टेशन बलभद्रपुर से निकले पोषकों का अनुरक्षण एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य।	0.36
03/EDDK /24-25	₹1180/-	33 केवी सब–स्टेशन जशोधरपुर से निकले पोषकों का अनुरक्षण एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य।	0.36
04/EDDK /24-25	₹1180/-	33 केवी सब–स्टेशन ध्रुवपुर से निकले पोषकों का अनुरक्षण एवं उपभोक्ता शिकायतों का निराकरण आदि कार्य	0.36

ई–निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	दि. 26.06.2024 10.00 बजे तक
ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	दि. 26.06.2024 12.00 बजे तक
ई–निविदा प्रपत्र आनलाइन एवं ऑफलाइन निविदा प्रथम भाग खुलने की तिथि एवं समय	दि. 26.06.2024 15.30 बजे तक

पत्रांक: 1083/विविखको/टी–6 दिनांक: 10.06.2024 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं। (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 180 4185/ फैक्स संख्या–0135–2760911 पर दें।)

एक नजर

एसएफआई ने की नीट परीक्षा की जांच की मांग

देहरादून। स्टूडेंट फैडरेशन आफ इंडिया ने नीट परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को डीएवी कालेज के बाहर प्रदर्शन किया। संगठन ने परीक्षा की जांच और इसे कराने वाली एजेंसी एनटीए को खत्म करने की भी मांग की। एसएफआई के राज्य सचिव हिमांशु चौहान ने बताया कि नीट यूजी के चार जून को रिजल्ट जारी होने के बाद से ही इस परीक्षा को लेकर शिकायतें आने लगी थी। परीक्षा में एक ही परीक्षा केंद्र से कई टॉपर आने पर भी सवाल उठे थे। उन्होंने 720 में से 720 नंबर लाने पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने एनटीए पर भी सवाल उठाए। कहा कि लगातार एजेंसी की परीक्षाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। एसएफ़आई की जिला सचिव और डीएवी छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष सोनाली नेगी ने कहा कि वे किसी भी परीक्षा में अनियमितता का विरोध करते हैं। अगर इस परीक्षा की भी जांच नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष नितिन मलेठा ने कहा कि एमबीबीएस–बीडीएस स्नातक स्तरीय प्रवेश परीक्षा में कुल अंक 720 होते हैं। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाते हैं, जबकि प्रत्येक गलत उत्तर के लिए कुल अंक में से 1 अंक काटा जाता है, जबकि अनुत्तरित प्रश्नों छोड़ दिया जाता है। उस स्थिति में 719 और 718 जैसे अंक प्राप्त करना संभव नहीं है। फिर 720 अंक कैसे आए। इस अवसर पर शालिनी परमार, अंजली, पीयूष मुनियाल, प्राची कोठारी, कनिका, आयुष ध्यानी, प्रदीप, मुकुल आदि शामिल रहे।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गया गुरु अर्जन देव का शहीदी दिवस

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार ने सोमवार को गुरु अर्जन देव का शहीदी दिवस श्रद्धा पूर्वक मनाया। इसमें कीर्तन के साथ ही शहर में अनेक जगह छबील लगाए गए और लोगों को शर्बत बांटा। प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी नरेंद्र सिंह ने आसा दी वार का शबद भनि मथुरा कछु भेदु नही गुरु अरजुनु परतख हरि..,का गायन किया गुरु अर्जन देव महाराज के शहीदी दिवस को समर्पित स्त्री सत्संग सभा गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा ने संगतों के साथ मिल कर सुखमणि साहिब के पाठ व शबद गुर अरजन विटहु कुरबाणी..,का गायन किया। ज्ञानी शमशेर सिंह ने कहा कि गुरु साहिब प्रभु का प्रत्क्षय रूप हैं। गुरुजी ने 30 रागों में भाई चारा व प्रभु भक्ति का उपदेश देने वाली बाणी का उच्चारण किया और अपने हक–सच की आवाज उठाते हुए गुरु अर्जन देव ने प्रभु के हुक्म में रहते हुए अपनी शहादत दी। हैंड ग्रंथी शमशेर सिंह ने सरबत के भले व श्री सुखमणि साहिब के पाठ की लड़ी की सम्पूर्णता की अरदास की। मंच संचालन दविंदर सिंह भसीन ने किया। इस अवसर पर एक महीना सुखमनी साहिब के पाठ करने पर सभी स्त्रियों को गुरु घर से स्मृति चिन्ह व गुटका साहिब देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर एवं शीतल जल का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गुरबख्श सिंह राजन अध्यक्ष, गुलजार सिंह महासचिव, चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष, मंजीत सिंह, सतनाम सिंह, देवेन्द्र सिंह भसीन, गुरप्रीत सिंह जौली, हरचरण सिंह, अरविन्दर सिंह, राजिंदर सिह राजा, सतनाम सिंह, अमरजीत सिंह छाबड़ा, बीबी सतिंदर कौर, नरेंद्र कौर, मनजीत कौर, बलविंदर कौर, रणजीत कौर, जोगिंदर कौर, बलजीत कौर आदि उपस्थित रहे।

उन्नंद निकाय चुनाव में 33% टिकट महिलाओं को देगा

देहरादून।उत्तराखंड क्रांति दल(उक्रांद) देहरादून निकाय चुनाव में 33 फीसदी टिकट महिलाओं को देगा। देहरादून में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सोमवार को निकाय चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में दल की केंद्रीय महामंत्री मीनाक्षी घिल्डियाल ने महिला प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष अनिता शर्मा से 33 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने संबंधी लिस्ट जल्दी तैयार करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि इसके बाद जनसंपर्क तेज किया जाए। केंद्रीय संगठन महामंत्री विपिन रावत ने कहा कि कार्यकर्ता आम लोगों की समस्याओं और मुद्दों को चिह्नित करें। इनपर फोकस कर ही दल चुनाव लड़ेगा। महानगर उपाध्यक्ष रामकुमार शंखधर ने कहा की भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया है। इस चुनाव में देहरादून के लोग उन्नंद के पक्ष में हैं।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण की अपील भी की गई। बताया गया कि दल बरसात में दून के वार्डों में एक हजार से अधिक पौधे रोपेगा। मौके पर उषा रमोला, यतेंद्र खंतवाल, डीडी पंत, नरेश गोदियाल, सरोज देवी, रीता क्षेत्री, उषा रमोला, प्रांजल नौड़ियाल, निर्मल शाह, लताफट हुसैन आदि मौजूद थे।

बद्रीनाथ और मंगलौर विस सीट पर 10 जुलाई को होगा मतदान

उपचुनाव के लिए बद्रीनाथ और मंगलौर विस क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड राज्य की दो विधानसभा सीटों 04-बद्रीनाथ और 33-मंगलौर के लिए उप निर्वाचन की तिथि घोषित की जा चुकी। दोनों विधानसभा सीट पर 10 जुलाई 2024 (बुधवार) को मतदान होगा और 13 जुलाई 2024 (शनिवार) को मतगणना होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम ने मीडिया सेंटर सचिवालय में उत्तराखण्ड की 2 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव के सम्बन्ध में प्रेस ब्रीफिंग करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य की दो विधानसभा सीटों 04-बद्रीनाथ और 33-मंगलौर के लिए उप निर्वाचन की तिथि घोषित की जा चुकी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विधानसभा सीट 04-बद्रीनाथ और 33-मंगलौर के विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 14 जून 2024 (शुक्रवार) को अधिसूचना जारी की जायेगी। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 21 जून 2024 (शुक्रवार) है। 24 जून 2024 (सोमवार) तक नामांकनों की जांच की जायेगी। जो प्रत्याशी नाम वापस लेना चाहेंगे, उनके लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 26 जून 2024 (बुधवार) तक होगी। दोनों विधानसभा सीट पर 10 जुलाई 2024 (बुधवार) को मतदान होगा और 13 जुलाई 2024 (शनिवार) को मतगणना होगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विधानसभा उप निर्वाचन के दृष्टिगत जनपद चमोली और जनपद हरिद्वार में सोमवार से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो चुकी है, जो 15 जुलाई 2024 (सोमवार) तक रहेगी। उत्तराखण्ड राज्य में विधानसभा उप निर्वाचन के लिए बद्रीनाथ विधान सभा सीट में 210 पोलिंग बूथ बनाए जायेंगे। बद्रीनाथ विधानसभा सीट पर 01 लाख 02 हजार 145 मतदाता एवं 2566 सर्विस मतदाता है। मंगलौर विधानसभा सीट पर 132 पोलिंग बूथ बनाये जायेंगे। मंगलौर विधानसभा सीट पर 01 लाख 19 हजार 930 मतदाता और 255 सर्विस मतदाता हैं। इस अवसर पर उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुश्री मुक्ता मिश्रा और सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास मौजूद थे।

एनसीसी कैडेटस ने लिया बेहतर नागरिक बनने का संकल्प

चमोली : 01यूके बटालियन एनसीसी का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सोमवार को अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज तलवाड़ी में प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल एके बिश्नोई(सेना मेडल) ने कैडेटस को संबोधित करते हुए बेहतर नागरिक बनने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैडेट्स को इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान लीडरशिप, सेल्फ डिफेंस, चारित्रिक विकास, स्वच्छता, समाज सेवा के प्रति जागरूक रहते हुए विभिन्न क्रियाकलापों से रूबरू कराया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में जनपद चमोली के राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर, राजकीय महाविद्यालय कर्णप्रयाग, राजकीय महाविद्यालय जोशीमठ, राजकीय पॉलिटेक्निक गोचर, राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर, राजकीय इंटर कॉलेज छिनका, नागनाथ पोखरी, थराली, अलकापुरी, मैहलचोरी, देवीखेत, उर्गम, एसबीएम जोशीमठ, इंटर कॉलेज बणगांव, इंटर कॉलेज तपोवन, राजकीय इंटर कॉलेज पीपलकोटी,डूंगरी में कोट सहित 21 विद्यालयों के 550 कैडेट्स भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर एडम आफिसर कर्नल राजेश रावत, एडजुडेंट आरएल आर्य, कैप्टन प्रकाश सती, चीफ ऑफिसर बीएम सती, फर्स्ट ऑफिसर संजय भंडारी, खीम सिंह कंडारी, प्रधानाचार्य एनबी देवराड़ी, सूबेदार बलबीर सिंह सुरेंद्र सिंह, जगदीश प्रसाद, हवलदार रणवीर सिंह चिनवान, बंसी लाल भगत, आमोद, परमवीर, विनोद आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

वित्तीय समावेशन और बैंक लिंकेज का दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चमोली में ग्राम स्तर पर गठित स्वयं सहायता समूह व संकुल संघों के तहत वित्तीय समावेशन व बैंक लिंकेज प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए एनआरएलएम की ओर से क्षमता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जिला पंचायत सभागार गोपेश्वर में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान मुख्य प्रशिक्षक प्रियाली दास और शुभम बागड़े ने प्रतिभागियों को एसएचजी बैंक लिंकेज, एनपीए प्रबंधन, बैंक सखी चयन, डिजिटल बैंकिंग, नकद शाखा सीमा, समूह आडिट, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, प्रधानमंत्री सुरक्षा व अटल पेंशन योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों की शंकाओं के समाधान भी किए।

इस मौके पर कमलेश पंत, संजय पुरोहित, ममराज चौहान, विजय काला, मयंक कुमेड़ी, पंकज बिष्ट आदि मौजदू थे।

भिलंगना के मांदरा गांव में ग्रामोत्सव शुरू

नई टिहरी : भिलंगना ब्लॉक की बासर पट्टी स्थित मांदरा गांव में सोमवार से ग्रामोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें गांव के समग्र विकास, परंपराओं को जीवंत रखने और अन्य कई बिंदुओं पर गहन चर्चा हुई। बता दें कि बीते 7 वर्षों से प्रवासी और अप्रवासी ग्रामीण मांदरा गांव के केंद्र बिंदु दाणिया धाम में ग्रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं। पलायन की मार झेल रहे मांदार गांव में मई जून के महीने में प्रवासी बड़ी संख्या में पहुंचकर गांव को गुलजार बना देते हैं। गांव के पूर्व प्रधान मोहन लाल भट्ट ने बताया कि मांदरा गांव में पलायन काफी बड़ी मात्रा में हो गया है। लेकिन प्रवासी ग्रामीण सालभर में कई बार अपने घर, खेत खलिहानों की देख रेख करने पहुंच जाते हैं। जिससे बच्चा-बच्चा भी आज अपनी मिट्टी और संस्कृति से जुड़ा हुआ है। यह अपनी मिट्टी से जुड़े रहने का भी एक उदाहरण है।

भू-स्खलन के निरीक्षण को पहुंची एनएच टीम का ग्रामीणों ने किया विरोध

नई टिहरी : तुणगी और रामपुर सामपुर ग्राम पंचायत में लगातार हो रहे भूस्खलन के निरीक्षण को सोमवार को पहुंची एनएच लोनिवि टीम का ग्रामीणों ने विरोध किया। टीम को ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों का भारी रोष झेलना पड़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग तीन साल से यहां ट्रीटमेंट करने के बजाय सिर्फ निरीक्षण कर खानापूर्ति कर रहा है।

मानसूनी मौसम को देखते हुए सोमवार को एनएच लोनिवि की टीम संवेदनशील दोनों गांवों का निरीक्षण करने पहुंची थी।

टीम में शामिल नोडल अधिकारी एई पुष्पेंद्र कुमार और एई ललित मोहन बेंजवाल, जेई अभिषेक रावत द्वारा राजमार्ग से सटे तुणगी भटकोट मार्ग की शुरुआत में चट्टानी मलबे के साथ धंस रही पहाड़ी व घरों में पड़ रही दरारों, बस स्टेशन के समीप भूस्खलन की जद में बने डडाणा, घटल गांव, भागीरथी मोटर पुल तक लगातार धंसती भूमि व सड़क, शांता नदी आपदा में बही पुलिया, रास्तों आदि का निरीक्षण किया गया।

ग्राम प्रधान अरविंद जियाल, ग्राप्र बबली भट्ट, वार्ड सदस्य रजनी जोशी, रजनी कैतुरा, रजनी भट्ट, ममता पंचपुरी सहित प्रभावित विजय भट्ट, नेत्र सिंह, सरोजनी देवी, रामप्रसाद भट्ट आदि ने टीम का विरोध किया। आरोप है कि तीन वर्षों से हो रहे भू-स्खलन से बढ़ते जान माल के खतरे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों ने भू-स्खलन से राजमार्ग पर बड़ा हादसा होने, बस स्टेशन व शांति बाजार क्षेत्र में काफी नुक्सान होने की आशंका जताई।

प्रभावित विजय भट्ट ने अपने घर को बचाने को राजमार्ग से किये गए पुश्ता निर्माण का भुगतान विभाग द्वारा नहीं किए जाने की शिकायत की।

ग्रामीणों के आक्रोश को देखते टीम ने यहां जल्द ही ट्रीटमेंट शुरू किए जाने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उप राजस्व निरीक्षक दिनेश बिजल्वाण, ब्लॉक जेई मुकेश भट्ट, ग्राम विकास अधिकारी अजयवीर असवाल आदि भी मौजूद रहे। (एजेंसी)

मुख्य सचिव ने परिवहन विभाग से सड़क दुर्घटनाओं के बाद हुए डेथ ऑडिट के सुधारात्मक कदमों की जानकारी मांगी

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने परिवहन विभाग से राज्य में सड़क दुर्घटनाओं के बाद हुए डेथ ऑडिट के फलस्वरूप उठाए गए सुधारात्मक कदमों की जानकारी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने पूरी तरह से फेसलेस चालान सिस्टम को लागू करने के निर्देश दिए है। राधा रतूड़ी ने सम्पूर्ण राज्य सीमा एवं सभी मुख्य मार्गों पर एएनपीआर कैमरों के साथ ही शहरों में ड्रोन कैमरों से ट्रैफिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग एवं चालान के निर्देश दिए हैं। सीएस ने शिक्षा विभाग को स्कूलों में सप्ताह में एक दिन बच्चों को सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ट्रैफिक सिगनल को एएनपीआर तथा आरएलवीडी सिस्टम से अपग्रेड करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को सचिवालय में राज्य सड़क सुरक्षा कोष प्रबन्ध समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने दोपहिया वाहनों पर पीछे बैठने वालों के लिए हेलमेट पहनने एव फॉर वीकल में सभी के लिए सीट बेल्ट के नियम को सख्ती से लागू करवाने के निर्देश दिए हैं।

रोड सेफटी की आज की महत्वपूर्ण बैठक में राज्य की ट्रैफिक व्यवस्था को हाईटेक एवं अपडेट करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी 13 जिलों में ड्रोन सेवाओं की व्यवस्था, ट्रैफिक सिगनल को एएनपीआर तथा आरएलवीडी सिस्टम से इंटिग्रेट व अपडेट करने, हाई टेक मोटर बाईक, कैमरों के साथ राडार स्पीड साइन बोर्ड, डिजिटल स्पीड साइन बोर्ड व वेरिएबल मेसेज डिस्पले बोर्ड लगाने, ट्रैफिक पुलिस कर्मियों हेतु बॉडी वॉर्न कैमरा, एल्कोमीटर / ब्रीथ एनालाइजर, पोर्टेबल साउण्ड सिस्टम जैसे आधुनिकतम टेक्नॉलाजी सिस्टम को लागू करने की वित्तीय एवं सैद्धान्तिक स्वीकृति दी है।

सीएस राधा रतूड़ी ने परिवहन एवं पुलिस विभाग को सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता हेतु अधिकाधिक सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता को कार्य करने के निर्देश दिए है।जीरो एक्सीडेंट राज्य के विजन के साथ कार्य करने की सख्त हिदायत देते हुए मुख्य सचिव राधा रतूडी ने लोक निर्माण विभाग को वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु सुरक्षात्मक कार्यों के तहत क्रैश बैरियर लगाने, रोड डेलीनेटर व कैट आई, ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य करने, पैरापिट एवं कॉशनरी साईन बोर्ड, रोड फर्नीचर रोड मार्किंग आदि कार्यों की वित्तीय एवं सैद्धान्तिक स्वीकृति दी।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने हिट एण्ड रन तथा गुड़ समेरिटन के व्यापक प्रचार–प्रसार के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के मार्गो पर वैज्ञानिक तरीके से गति सीमा के निर्धारण की कार्ययोजना पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं ।

बैठक में जानकारी दी गई कि पिछले वर्ष 67 गुड समेरिटन को 10 लाख की धनराशि आवंटित की गई है। वर्ष 2024–26 में गुड़ समेरिटन योजना हेतु 10 लाख की धनराशि प्रस्तावित है। विदित है कि गुड समेरिटन को प्रोत्साहित करने हेतु उत्तराखण्ड में मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एण्ड हाइवे की गुड समेरिटन स्कीम को विभागीय स्तर पर लागू किया गया है, जिसमें गुड समेरिटन को नगद ईनाम और प्रशंसा पत्र दिया जाता है। उत्तराखण्ड राज्य में भी विभागीय गुड समेरिटन पुरस्कार योजना प्रारम्भ की गयी है, जिसके अन्तर्गत यदि कोई व्यक्ति निम्नलिखित कार्यों में से कोई कार्य करता है, तो उत्तराखण्ड पुलिस उसे नगद ईनाम और प्रशंसा पत्र प्रदान करेगी। सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना। सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति/व्यक्तियों का राहत एवं बचाव कार्य कर समय से अस्पताल पहुँचाना। सड़क दुर्घटना में घायल / चोटिल व्यक्ति को एम्बुलेंस की उपलब्धता न होने की स्थिति में निजी वाहन से अस्पताल पहुँचाना। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर रक्तदान करना या रक्तदान का प्रचार–प्रसार कर सम्बन्धित ब्लड ग्रुप वाले रक्तदाता की व्यवस्था करना। दुर्घटना में घायल व्यक्ति की आर्थिक रूप से सहायता करना आदि। सड़क दुर्घटना की रोकथाम के प्रयास में प्रभावी सहायता योगदान उपलब्ध कराना। बैठक में पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, प्रमुख सचिव रमेश कुमार सुधांशु , सचिव अरविन्द सिंह हयाकी, वी षणमुगम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों के साथ ही कर्मचारियों के भी पद बढ़ाए जाने की मांग

देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संघ ने विभागीय ढांचे में कर्मचारियों के भी पद बढ़ाए जाने की मांग की। सोमवार को वॉटर वर्क्स राजपुर रोड में हुई संघ की बैठक में मैनेजमेंट पर कर्मचारियों की मांगों के निस्तारण को दबाव बनाया। वॉटर वर्क्स में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गिरीश जोशी ने कहा कि विभागीय ढांचे का विस्तार किया जाना है।

विभागीय ढांचे के विस्तार में सिर्फ अधिकारियों के पदों को ही बढ़ाने पर जोर न दिया जाए। बल्कि उसी अनुपात में कर्मचारियों के भी पद बढ़ाए जाएं। कहा कि अभी तक सिर्फ बार बार अधिकारियों के ही पद बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने अभी तक कई शाखाओं में कर्मचारियों के वाहन भत्ते, मानदेय की बकाया धनराशि का भुगतान न किए जाने का मुद्दा भी उठाया। तत्काल सभी लंबित भुगतान सुनिश्चित किए जाने की मांग की। महामंत्री एनएल जोशी ने कहा कि कर्मचारियों के वेतन भत्ते, पेंशन का भुगतान भी ट्रेजरी से सुनिश्चित कराया जाए। इसके साथ ही राजकीयकरण की प्रक्रिया को भी पूरा कराया जाए। वर्ष 1996 से संहत वेतन में कार्यरत कर्मचारियों को सेवा लाभ देने का प्रकरण हाईकोर्ट में लंबित है। 11 जून को इस मसले पर हाईकोर्ट से फैसला होना है। इस फैसले पर संघ ने अपनी पूरी नजर बनाए रखी है। बैठक में संरक्षक विनोद कुमार वर्मा, दाताराम ग्याल, विपिन उनियाल, विनीत शर्मा, अनिल कुमार, सुभाष बिष्ट, अमित चौहान, दिलीप रावत, राजेश जोशी, मोहम्मद आवेश, जगमोहन सिंह रावत, विकास गोस्वामी, दिनेश कुमार शर्मा, कमल किशोर सैनी, दीपराज सिंह तोपवाल, मनोज कुमार, फतेह सिंह, सुनील कुमार, कमल किशोर सैनी, दीपराज सिंह तोपवाल, मयंक शुक्ला, गिरीश चंद्र, सब्बल सिंह, अमित नौटियाल, प्रेम नारायण, जीवन सिंह चिल्वाल, माधवानंद जोशी, मोती सिंह, अरविंद, बच्चीराम, विकेश काला, कुनाल शर्मा, दीवान सिंह, कृषानंद आदि मौजूद रहे।

बसपा ने की नीट परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग

देहरादून। बसपा ने नीट परीक्षा में धांधली के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। सोमवार को बसपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी शीशपाल सिंह ने कहा कि देश के लाखों बच्चे नीट की परीक्षा में शामिल हुए थे। इस परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जिस परीक्षा के साथ देश के लाखों बच्चों का भविष्य और उम्मीदें जुड़ी हो, उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठना उचित नहीं है। केंद्र सरकार को चाहिए कि इस मामले की सीबीआई जांच कराए। यदि परीक्षा में किसी भी स्तर पर गडबड़ी हुई हो तो दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। आज के युवा देश के भविष्य है, यदि उनके भविष्य के खिलवाड़ होता है तो बसपा बर्दास्त नहीं करेगी।

गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे ठाकुरपुर चायबाग के करीब दो सौ परिवार

देहरादून। ठाकुरपुर के तहत चायबाग क्षेत्र के करीब दो सौ परिवार गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। सोमवार को प्रभावित लोगों ने बसंत विहार में पेयजल निगम की विश्व बैंक परियोजना इकाई के अधिशासी अभियंता कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। क्षेत्र पंचायत सदस्य अम्बीवाला मंजू नेगी के नेतृत्व में स्थानीय लोग वसंत विहार स्थित ईई कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी करते हुए पेयजल निगम की कार्यप्रणाली का विरोध किया। मंजू नेगी ने बताया कि ठाकुरपुर के तहत स्थित चायबाग क्षेत्र में दो सौ परिवार निवास करते हैं। जिसमें चाय बाग के मजदूर शामिल हैं। इस क्षेत्र में विश्व बैंक परियोजना से नई पाइप लाइन बिछाई गई थी। लेकिन योजना पर काम हुए एक साल से ऊपर समय बीतने पर भी लाइन से लोगों को सुबह शाम एक–एक घंटा भी पानी नहीं मिल पा रहा। इसकी शिकायत कई बार अधिकारियों से की गई है। 24 घंटे के दावे वाली यह योजना यदि एक घंटे भी ठीक से पानी न दे पा रही हो तो योजना पर सवाल खड़े होते हैं। गांव में स्वजल का टैंक व ट्यूबवेल है जो जर्जर हालत में है। गांव वाली भीषण गर्मी में इसी योजना से मिल रहे पानी पर आश्रित हैं। जब ट्यूबवेल खराब हो जाता है तो गांव वाले खुद ही इसे ठीक करवाते हैं। यदि ये ट्यूबवेल न होता तो क्षेत्र में पेयजल संकट बहुत गहरा हो जाता। विश्व बैंक परियोजना की नई लाइन में लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद पानी न मिलना गंभीर मामला है। ग्राम उम्मेदपुर में डंगवाल मौहल्ले में 1980 से रह रहे परिवारों को भी अभी तक नई लाइन से नहीं जोड़ा गया है। वहां भी पुरानी लाइन से पानी मिल रहा है। पेयजल निगम के ईई एम हसन ने प्रदर्शनकारियों को जल्द नई लाइन पर भरपूर पानी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। मौके पर अनिल डंगवाल, राजेश कुमार, अर्जुन सिंह, संदीप शर्मा, सुरेन्द्र नेगी, शिवांश थापा, छबिलाल, रमेश कुमार मौजूद रहे।

सीएस राधा रतूड़ी ने विद्युत आपूर्ति तथा जलापूर्ति की व्यवस्था करने के दिए निर्देश

देहरादून। सीएस राधा रतूड़ी ने ऊर्जा एवं सम्बन्धित विभागों को निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्डिंग के साथ ही राज्य में लगने वाले नए उद्यमों हेतु पर्याप्त मात्रा में विद्युत आपूर्ति तथा जलापूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने राज्य में लग रहे बायोफ्यूल उद्यमों से कच्चे माल के रूप में पिरूल के उपयोग के प्रस्ताव पर विचार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्धता व लक्ष्य आधारित कार्यशैली अपनाते हुए सभी निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में गत वर्ष आयोजित हुए उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में किये गए निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग की समीक्षा की। आज की बैठक में उन्होंने मुख्यतः आवास, पर्यटन तथा ऊर्जा विभाग के तहत किए गए एमओयू की समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि आवास विभाग के तहत कुल किए गए 125 एमओयू में से 74 पर कार्य आरम्भ हो चुका है, इससे कुल 7429.85 करोड़ रूपये का निवेश आया है तथा 12318 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। पर्यटन विभाग के तहत कुल 505 एमओयू में से 140 पर कार्य आरम्भ हो चुका है, जिससे 3816.22 करोड़ रूपये का निवेश आया है तथा 5047 रोजगार सृजित हुए हैं। ऊर्जा विभाग के तहत कुल 193 यूनिट की ग्राउंडिंग हो चुकी है जिससे 28288 करोड़ का निवेश आया है तथा निर्माण कार्यों के दौरान 18119 रोजगार तथा संचालन के दौरान 4026 रोजगार सृजित हुए हैं। एरोमेटिक प्लान्टस के क्षेत्र में अभी तक कुल 32 यूनिट की ग्राउंडिंग हुई है जिससे 133.4 करोड़ रूपये का निवेश प्राप्त हुआ है तथा 1052 रोजगार सृजित हुए हैं।

फेसबुक पर विदेशी युवती से दोस्ती पड़ी दून निवासी युवक को महंगी

देहरादून। फेसबुक के जरिए विदेशी युवती से दोस्ती करना दून निवासी युवक को महंगा पड़ गया। साइबर ठग निकली युवती ने भारत आने और कस्टम के नाम पर युवक से करीब 3.13 लाख रुपये ठग लिए। युवक ने डालनवाला थाने में रविवार को अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। डालनवाला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं के अनुसार राजेश कुमार निवासी हाथीबड़कला ने तहरीर दी कि उन्हें फेसबुक पर एक विदेशी युवती की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। युवती ने खुद को डाक्टर बताया। कुछ समय बात करने के बाद उसने भारत भ्रमण आने की बात की। इसके बाद दोनों की व्हाट्सएप के जरिए भी बातचीत हुई। इस दौरान युवती ने कहा कि उसकी टिकट बुक हो गई है और वो भारत आ रही है। युवती ने खुद के लिए होटल की व्यवस्था करने के लिए कहा था। कुमार ने बताया कि कुछ दिन बाद उसे मुंबई एयरपोर्ट से एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कस्टम अधिकारी बताया और कहा संबंधित विदेशी युवती एयरपोर्ट पर है। महिला के दस्तावेज पूरे नहीं है, क्लियरेंस के लिए 42500 रुपये देने होंगे। रुपये नहीं देने पर व्यक्ति ने राजेश को गिरफ्तारी की धमकी दी। इसपर राजेश ने नकदी बताए गए अकाउंट में डाल दी। कुछ देरबाद फिर फोन आया कि युवती के पास दो करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट है। डिमांड ड्राफ्ट कनवर्ट करने की एवज में उनसे अलग–अलग किश्तों में कुल 3.13 लाख रुपये लिए गए। जब इसके बाद मनी लॉड्रिंग प्रमाण पत्र के लिए 6 लाख की डिमांड की तो रमेश ने देने से इनकार कर दिया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com